MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-11 ❖ मुंबई ❖ रविवार 05 से 11 मार्च 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

# मुंबई तरंग

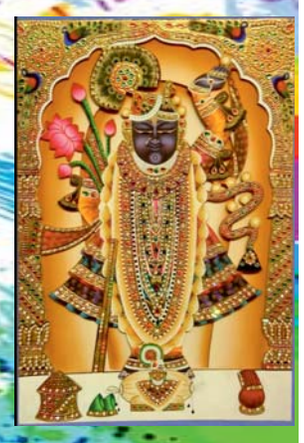

www.mumbaitarang.com

**मुंबई तरंग परिवार की तरफ से सभी पाठको व विज्ञापन दाताओं को होली की हार्दिक शुभकामनाएं**

## एक नजर

### पूर्व प्रधान न्यायाधीश अहमदी का निधन

**नई दिल्ली।** भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश अजीज मुशब्बर अहमदी का उम्र संबंधी बीमारियों की वजह से बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। उनके परिवार के एक करीबी अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। अधिवक्ता महमूद प्राचा ने कहा कि दक्षिणी दिल्ली के एक निजी अस्पताल में न्यायमूर्ति अहमदी का निधन हो गया। न्यायमूर्ति अहमदी को दिसंबर, 1988 में न्यायाधीश के रूप में उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत किया गया था और उन्होंने 25 अक्टूबर, 1994 को प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली थी। प्रधान न्यायाधीश के रूप में सेवा करने वाले वह तीसरे मुस्लिम न्यायाधीश थे।

### श्रीनगर में भगोड़े आतंकी मुश्ताक का मकान कुर्क

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बृहस्पतिवार को भगोड़े आतंकवादी मुश्ताक अहमद जरगर उर्फ लट्राम के श्रीनगर के नौहट्टा इलाके में स्थित मकान को कुर्क कर लिया। लट्राम को 1999 में अफगानिस्तान के कंधार में अपहृत इंडियन एयरलाइंस के विमान के बंधक बनाए गए यात्रियों के बदले में दो अन्य आतंकवादियों के साथ रिहा किया गया था। पुलिस कर्मियों ने जरगर उर्फ लट्राम के मकान पर कुर्की की सूचना चस्पां कर दी थी। लट्राम के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में रहने की खबर है। 540 वर्ग फुट के भूखंड पर इस इमारत को यूएपीए अधिनियम के तहत कुर्क किया गया है।

## दोबारा जेल जाएंगे संजय राउत?

### सांसद के 'उस बयान' के बाद एकनाथ शिंदे के विधायक ने कही बड़ी बात

मुंबई: महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के सांसद संजय राउत ने सांगली जिले में चुनाव आयोग को लेकर एक विवादित बयान दिया है। जिसके बाद उनकी मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। राउत ने कहा था कि शिवसैनिकों ने घर में चटनी-रोटी खाकर तुम लोगों (शिंदे गुट के विधायकों) को विधायक, सांसद, मंत्री और मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन शिवसैनिक आज भी यहीं हैं। जिनको चुनाव में जीत दिलवाई वो लोग पचास करोड़ रुपये लेकर भाग गए। इस पर चुनाव आयोग कहता है कि शिवसेना उनकी है। राउत ने मंच से पहले कहा कि शिवसेना तुम्हारे बाप की है क्या, उसके बाद चुनाव आयोग को गाली दी। संजय राउत की बेलगाम जुबान अब उनके लिए मुसीबत का सबब बनती जा रही है। हद तो तब हो गई जब उन्हें मीडिया ने बताया कि चुनाव आयोग के संबंध में आपकी गाली सोशल मीडिया पर वायरल है। जिस पर राउत ने कहा कि होने दो वायरल। सिर्फ मैं ही चुनाव आयोग को गाली नहीं दे रहा हूं बल्कि पूरा महाराष्ट्र गाली दे रहा है। इसके पहले संजय राउत ने महाराष्ट्र विधानमंडल को चोरों की मंडली कहा था। जिसके बाद मुद्दे ने तूल पकड़ लिया और फिर विधानसभा में राउत के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया गया। कार्रवाई को अंजाम देने के लिए राउत को नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया है। शरद पवार ने भी राउत के बयान पर ऐतराज जताया था।

# देश बदलाव के लिए तैयार, मोदी के गुरु ने कर दी 2024 के लिए बड़ी भविष्यवाणी

मुंबई: देश में हुए हालिया चुनाव के नतीजों में बीजेपी ने दो राज्यों में बीजेपी ने जीत दर्ज की है। इस जीत की गूंज महाराष्ट्र समेत पूरे देश में सुनाई दी। हालांकि, इस मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक गुरु शरद पवार ने अलग ही बात कही है। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने देश में बीजेपी की मौजूदा स्थिति पर कहा कि फिलहाल देश बदलाव के लिए तैयार हो रहा है। केरल में बीजेपी नहीं है, तमिलनाडु में बीजेपी नहीं है। कर्नाटक में कांग्रेस थी लेकिन वहां विधायकों और सांसदों को फोड़ा गया और फिर बीजेपी की सरकार बनाई गई। देश के कई राज्यों में बीजेपी नहीं है। यह सब कुछ इशारा करता है कि देश अब बदलाव चाहता है। इसके परिणाम आपको आने वाले चुनावों में नजर आएंगे। महाराष्ट्र उपचुनाव में बीजेपी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। यह तमाम बातें राजनीतिक बदलाव के लिए काफी अनुकूल हैं। पवार ने कहा कि नगालैंड और त्रिपुरा के चुनाव में बीजेपी को जीत मिली है। कई मौकों पर पवार को अपना राजनीतिक गुरु बताने वाले पीएम मोदी की सरकार को लेकर यह भविष्यवाणी महाराष्ट्र में चर्चा का विषय है। साल 2019 में शरद पवार ने यह भी कहा था कि मोदी से अब डर लगता है। अब वो किसी को उंगली नहीं पकड़ाएंगे। दरअसल 2019 में शरद पवार को ईडी ने नोटिस भेजा था। तब पवार ने यह बात कही थी। नगालैंड में एनसीपी ने जीती 7 सीटें शरद पवार की अगुआई में एनसीपी अब महाराष्ट्र से निकल कर अन्य राज्यों में भी किस्मत आजमा रही है। इसी कड़ी में एनसीपी ने नगालैंड विधानसभा चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में एनसीपी ने कुल बारह सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। जिसमें से उन्हें सात सीटों पर सफलता मिली है। एनसीपी नेताओं का कहना है कि एनसीपी को नगालैंड में अब प्रमुख विपक्षी दल का दर्जा मिलेगा। इसके पहले मेघालय में एनसीपी का एक विधायक था। एनसीपी के कहना है कि उनकी पार्टी नगालैंड की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी ईमानदारी से कोशिश करेगी। नगालैंड चुनाव में आरपीआई ने भी दो सीटों पर जीत दर्ज की है। इस अप्रत्याशित जीत पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा पार्टी कार्या लय जाकर जश्न मनाया और खुद ढोल भी बजाते हुए नजर आए। आरपीआई नेता हेमंत रणपिसे ने कहा कि पहली बार किसी राज्य की विधानसभा में आरपीआई की दो सीटें आई हैं।

## कर्नाटक में भाजपा-कांग्रेस के बीच 'आप' की एंट्री, केजरीवाल ने शुरू किया चुनावी अभियान

कर्नाटकमें इसी साल मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पहले ही राज्य में सक्रिय है, इस बीच अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की एंट्री ने उसकी चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री व आप संयोजक केजरीवाल ने शनिवार को कर्नाटक में अपना चुनावी बिगुल फूंक दिया है। शनिवार को अपनी पहली जनसभा को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने भाजपा सरकार पर कई आरोप लगाते हुए जनता से एक आम आदमी पार्टी को पांच साल के लिए भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने का मौका देने की अपील की। राज्य में चल रही 40 फीसदी कमीशन की सरकार केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, राज्य में 40 फीसदी कमीशन की सरकार चल रही है। उन्होंने, चन्नागिरी से भाजपा विधायक मदल विरुपाक्षप्पा के पुत्र प्रशांत कुमार एमवी से 8.23 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी की बरामदगी का मामला उठाया। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी में भ्रष्टाचार के लिए जीरो टॉलरेंस है, पंजाब का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, आप शासित पंजाब में एक मंत्री और एक विधायक को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल हुई थी। इस दौरान केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। इस दौरान आप सुप्रीमो ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, जो खुद को 'डबल-इंजन सरकार' बताते हैं, वहां, भ्रष्टाचार दोगुना हो जाता है। इसलिए हमें नए इंजन की सरकार की जरूरत है।

## राकांपा नेता को कोर्ट से राहत, अंतरिम जमानत मंजूर; निकाय अधिकारी पर हमले से जुड़ा है मामला

महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत ने राकांपा नेता व पूर्व मंत्री जितेंद्र आव्हाड को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका को मंजूर कर लिया है। आव्हाड पर ठाणे नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त महेश अहेर पर हमला करने का आरोप है। इस मामले में आव्हाड और अन्य कार्यकर्ताओं खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे, जिसके बाद पूर्व मंत्री ने अदालत का रुख किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एएस भागवत ने शुक्रवार को उन्हें अग्रिम जमानत दे दी। 15 फरवरी का है मामला जानकारी के मुताबिक, 15 फरवरी को कथित रूप से धमकी देने का एक ऑडियो क्लिप वायरल होने के बाद निकाय अधिकारी अहेर को एनसीपी कार्यकर्ताओं द्वारा कथित रूप से पीटा गया था। इसके बाद नौपाड़ा पुलिस ने विधायक जितेंद्र आव्हाड और छह अन्य पर धारा 353 और 307 के तहत मामला दर्ज किया था। हालांकि, आव्हाड ने आरोपों का खंडन करते हुए झूठे आरोप में फंसाने की बात कही थी। उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए सत्र न्यायालय में अंतरिम जामानत याचिका दाखिल की थी।

## तमिलानाडु के मुख्यमंत्री ने की बिहार के सीएम से बात, उत्तर भारत के मजदूरों पर हुए हमलों पर की बात

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को अपने आवास पर 'ऑपरेशन गंगा (डायरी ऑफ अ पब्लिक सर्वेंट)' किताब का विमोचन किया। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक क्षमताओं पर बात की और कहा कि आज हम विश्व से मदद नहीं मांगते बल्कि बाकी देश संकट में हमारी ओर देखते हैं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन गंगा, कोरोना काल व अफगानिस्तान संकट में वहां फंसे सभी भारतीयों की बिना किसी खरोंच के स्वदेश वापसी कराई। सिर्फ भारतीयों की ही नहीं हमने अन्य देशों की भी मदद की। यूक्रेन में फंसे 18 देशों के 147 नागरिकों को भी हमने बचाया। ठाकुर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मंत्रिमंडल के चार मंत्रियों को

विशेष दूत बनाकर रूस-यूक्रेन से लगे देशों की सीमाओं पर भेजा। पोलैंड, स्लोवाकिया, रोमानिया, माल्डोवा, हंगरी जैसे देशों में हमारे मंत्रियों ने स्थानीय अधिकारियों से समन्वय कर छात्रों के लिए रहने के ठिकाने उपलब्ध कराए। हमारे मंत्री वहां तब तक रुके जब तक हमारे सभी बच्चे सकुशल वापस नहीं आ गए। केंद्रीय मंत्री ने ऑपरेशन गंगा में इंडियन एयरफोर्स द्वारा चलाये गए 13 विशेष अभियानों का भी उल्लेख किया। नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सारंडोस ने की अनुराग से मुलाकात नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सारंडोस ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात की। सारंडोस से बातचीत में ठाकुर ने बढ़ती रचनात्मक अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे भारत एक कंटेंट और पोस्ट प्रोडक्शन हब के रूप में उभरा है। इस मुलाकात में दोनों के बीच भारत की क्षेत्रीय सामग्री पर चर्चा हुई कि किस तरह आज दुनिया भर में भारतीय कंटेंट पसंद किए जा रहे हैं। मालूम हो कि टेड सारंडोस नेटफ्लिक्स के संस्थापक सदस्यों में से हैं, जो पिछले 23 साल से भी ज्यादा समय से काम कर रहे हैं।

# कोविड में बंगला ढाई साल बंद रहा, फिर चायपान पर खर्च कैसे, शिंदे ने तो उद्धव को फंसा दिया!

मुंबई: कुछ दिन पहले महाराष्ट्र की सियासत में इस बात की चर्चा थी कि सीएम आवास की चाय में सोने का अर्क मिलाया जाता है। दरअसल एनसीपी नेता अजित पवार ने यह आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री के सरकारी आवास वर्षा बंगले पर चायपान में 2 करोड़ 40 लाख रुपये खर्च हुए हैं। शुक्रवार को जवाब सदन में जवाब देते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा पलटवार किया। उद्धव ठाकरे के नाम न लेते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि कोरोना कॉल में ढाई साल तक वर्षा बंगला बंद था। उस समय सिर्फ फेसबुक लाइव होता था। बिना जांच पड़ताल के बंगले के अंदर प्रवेश भी नहीं दिया जाता था। तब चायपान पर कितना पैसा खर्च हुआ कभी इसका हिसाब जानने की कोशिश हुई है? शिंदे ने अजित पवार के सवाल पर यह जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरे पास पूरे राज्य से बीते आठ-नौ महीनों से लोग आ रहे हैं। क्या उन्हें चायपान नहीं कराना चाहिए, क्या यह अपनी संस्कृति नहीं है? उन्होंने उद्धव ठाकरे के नाम तो नहीं लिया लेकिन इशारों-इशारों पूरी बात कह दी।

अजित पवार पर बरसे एकनाथ शिंदे

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने यह भी सवाल उठाया था कि शिंदे सरकार पब्लिसिटी पर भी जमकर पैसे खर्च कर रही है। इस मुद्दे पर शिंदे ने अजित पवार को करारा जवाब दिया। एकनाथ शिंदे ने कहा कि जब आपकी सरकार थी तब आपने 250 करोड़ रुपये पीआर के लिए रखे थे। इतना ही नहीं आपने अपने निजी पीआर(पब्लिसिटी) के लिए भी 6 करोड़ रुपये अलैह से रखे थे। जिसे बाद में वापस लिया था। हम तो सरकार की योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाने के लिए विज्ञापन देते हैं। ऐसे में दोहरा रवैया कैसे चलेगा। आप करें तो ठीक है और हमने किया तो वह गलत कैसे हो गया? यहां भी शिंदे ने उद्धव का नाम नहीं लिया लेकिन तत्कालीन ठाकरे सरकार पर जमकर हमला बोला।

पहले सीएम का नाम फाइनल करो

अजित पवार को घेरते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि एनसीपी पहले यह तय कर ले कि उनकी पार्टी कभी सीएम बनाने की स्थिति में हुई तो मुख्यमंत्री कौन बनेगा? दरअसल कुछ दिन पहले मुंबई के एनसीपी ऑफिस के बाहर सांसद सुप्रिया सुले का भावी सीएम वाला बैनर लगा था। इसके पहले एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल के भावी सीएम वाला पोस्टर लगाया गया था। वहीं अजित पवार खेमे के लोग उन्हें भावी सीएम बताते हैं। ऐसे में सीएम कौन बनेगा? यह सवाल उठाते हुए एनसीपी की खिंचाई की।

## मामूली बात पर चलती लोकल में बुजुर्ग की पिटाई

मुंबई: ठाणे के टिटवाला स्टेशन से मुंबई जा रही है एक लोकल ट्रेन में झगड़े के बाद सहयात्री द्वारा कथित तौर पर मारीपीट करने और धक्का दिये जाने के बाद 65 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की 'लगेज कंपार्टमेंट' में मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना कल्याण और टिटवाला स्टेशन के बीच मध्य रेलवे मार्ग पर बृहस्पतिवार दोपहर को घटी।

अन्य यात्रियों ने इस घटना में शामिल संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ कर, उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने कहा कि पीड़ित की पहचान मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के पूर्व कर्म चारीबबन हांडे रूप में हुई है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाने के एक अधिकारी ने कहा, 'हांडे टिटवाला-मुंबई लोकल ट्रेन के लगेज कंपार्टमेंट में दोपहर करीब दो बजे सवार हुए। कल्याण स्टेशन पर उनके सहयात्रियों ने पुलिस को सूचना दी कि वह बोगी में खून से लथपथ हैं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।'

# मोदी से मिले बिल गेट्स, कहा भारत की प्रगति से उत्साह बढ़ा है

नयी दिल्ली, अरबपति अमेरिकी उद्यमी और परोपकारी बिल गेट्स ने शनिवार को राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और कहा कि वह स्वास्थ्य, विकास और जलवायु परिवर्तन के शमन-दमन जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति से पहले से अधिक उत्साहित हैं। गेट्स ने कोविड महामारी से निपटने में भारत की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा है कि वह मोदी की बात से सहमत है कि वैक्सिनेशन के लिए कोविन एप पूरे विश्व के लिए उपयोगी है। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद गेट्स ने ट्वीट कर के भारत की अपनी यात्रा पर अपने 'उद्गार' साझा करते हुए लिखा है, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मेरी बातचीत ने स्वास्थ्य, विकास और जलवायु के क्षेत्र में भारत द्वारा की जाने वाली प्रगति के बारे में पहले से अधिक आशावान बना दिया है। भारत यह दर्शा रहा है कि जब हम नवाचार में निवेश करते हैं, तो क्या से क्या संभव हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि भारत इस प्रगति को कायम रखेगा और दुनिया के साथ अपने नवाचारों को साझा करेगा।" माइक्रो साफ्ट के सह

संस्थापक और बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन के प्रमुख के ट्वीट के जवाब में मोदी ने ट्वीट किया "बिल गेट्स से मिलकर प्रसन्नता हुई और हमने प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उनकी विनम्रता तथा धरती को बेहतर और अधिक स्वस्थ करने का उनका उत्साह स्पष्ट दिखाई देता है।" प्रधानमंत्री कार्या लयकी एक विज्ञप्ति के मुताबिक मोदी से बातचीत में गेट्स ने कहा, "मैं एक सप्ताह भारत में रहा, यहां स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में जो नवाचारी कार्य हो रहे हैं, उन्हें देखा-सीखा। ऐसे समय में जब दुनिया को अनेक चुनौतियों का सामना है, तब भारत जैसे जीवंत और रचनात्मक स्थान पर आना मेरे लिए प्रेरणास्पद है।" प्रधानमंत्री से अपनी मुलाकात को अपनी इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए गेट्स ने इस बैठक पर अपनी एक टिप्पणी में लिखा कि वह पिछले कुछ वर्षों से मोदी से सीधे नहीं मिल सके थे पर, "प्रधानमंत्री मोदी और मैं बराबर एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं, खासतौर से कोविड-19 वैक्सीन के विकास और भारत की स्वास्थ्य प्रणालियों में निवेश के विषय पर हमारी बातचीत होती रही है।" गेट्स ने लिखा है, "भारत में तमाम सुरक्षित, कारगर और सस्ती वैक्सीन बनाने की अद्भुत क्षमता है, इनमें से कुछ को गेट्स फाउंडेशन सहयोग करता है।

## महंगाई का ईंधन

रसोई गैस की कीमतों में ताजा बढ़ोतरी खासतौर से चुभने वाली है। पूर्वोत्तर के राज्यों में मतदान खत्म होने के साथ ही रसोई गैस के सिलेंडर के दामों में एकमुश्त पचास रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। रसोई गैस के सिलेंडर के दाम पहले ही एक हजार के पार थे और इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में इसकी कीमत अब 1,103 रुपए हो गई है। वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम में साढ़े तीन सौ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। यानी अब उन्नीस किलोग्राम के वाणिज्यिक इस्तेमाल वाले गैस सिलेंडर के दाम 2,119.5 रुपए तक पहुंच चुके हैं। जाहिर है, अलग-अलग राज्यों में वहां की कीमतों के अनुपात में बढ़ोतरी हुई है। होली से ऐन पहले हुई यह वृद्धि स्वाभाविक है कि लोगों को खलेगी। महंगाई पहले ही आसमान छू रही है और पेट्रोल के दाम लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं।

ऐसे में रसोई गैस की कीमतों में ताजा बढ़ोतरी खासतौर से चुभने वाली है, क्योंकि सरकार ज्यादातर गैर-उज्ज्वला उपयोगकर्ता ओंको अब कोई सबसिडी नहीं देती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त एलपीजी कनेक्शन पाने वाले 9.58 करोड़ गरीबों को प्रति सिलेंडर दो सौ रुपए सबसिडी मिलती है। अब सबसिडी के बाद उन्हें भी एक सिलेंडर के लिए 903 रुपए चुकाने होंगे। साफ है कि गरीब और निम्न मध्यवर्गीय लोगों को इस कमरतोड़ महंगाई से फिलहाल निजात मिलती नहीं दिख रही। वहीं अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी खबर अच्छी नहीं है। महामारी की मार से उबर रही अर्थव्यवस्था को रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति शृंखला प्रभावित होने की वजह से झटके सहने पड़े हैं। नतीजे में विनिर्मा ण क्षेत्र के खराब प्रदर्शन के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2022-23 के वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घट कर 4.4 फीसद पर आ गई है।

जबकि 2021-22 की इसी तिमाही में अर्थव्यवस्था 11.2 फीसद की दर से बढ़ी थी। चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वास्तविक वृद्धि दर सात फीसद रहने का अनुमान है जो पिछले वर्ष 9.1 फीसद थी। मान लिया जाए कि जीडीपी की वृद्धि दर को प्रभावित करने वाले कई अंतरराष्ट्रीय कारक होते हैं और यह कभी तेज तो कभी सुस्त होती रहती है, लेकिन सरकार देश के वंचित तबकों के प्रति अपनी जवाबदेही और दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती।

महामारी के बाद महंगाई की मार झेल रहे सबसे निचली कतार में खड़े लोगों के लिए रसोई गैस के सिलेंडर जैसी बुनियादी चीज की बेलगाम कीमतें काफी परेशानी भरी साबित हो रही हैं। सच यह है कि सबसिडी के बावजूद उज्जवला योजना तक के सिलेंडर के ऊंचे दाम इसके दायरे में आने वाले उपभोक्ताओं की पहुंच से बाहर हो रहे हैं। खुद सरकार संसद में बता चुकी है कि उज्ज्वला योजना के चार करोड़ तेरह लाख लाभार्थियों ने एक बार भी सिलेंडर नहीं भरवाया तो 7.67 करोड़ लाभार्थियों ने सिर्फ एक बार भरवाया।

सरकार कह सकती है कि रसोई गैस के सिलेंडर के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों से तय होती हैं। यह कीमत डालर में होती है और डालर व रुपए की विनिमय दर के आधार पर तय होती है। यानी डालर के मुकाबले रुपया कमजोर हो तो दाम अपने आप बढ़ जाते हैं। लेकिन अगर हम बीते चौदह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस दौरान रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें आठ बार बढ़ी हैं और कुल बढ़ोतरी 256 रुपए की हुई है।

इस बढ़ोतरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों का हवाला देकर उचित नहीं ठहराया जा सकता। उचित यही होगा कि सरकार रसोई गैस जैसी सबसे बुनियादी चीजों के दाम काबू में रखे, ताकि यह लोगों की पहुंच में रहे।

# हॉलिवुड को कैसे टक्कर देंगे हम

भारत में सिनेमा की चर्चा एं अमूमन मुंबई के हिंदी सिनेमा तक केंद्रित रही हैं। पिछले कुछ समय से उसका विस्तार दक्षिण के सिनेमा की तरफ हुआ है। हालांकि अभी भी बहुत सी भाषाओं का भारतीय सिनेमा चर्चा से दूर है। ऐसे में हमें यह भी देखने की जरूरत है कि हम भारत के पड़ोसी देशों के सिनेमा को कितना और कैसे देखते रहे हैं। लंबे काल में विकसित सांस्कृतिक समानताएं, साझा इतिहास के साथ-साथ कुछ में तो भाषाओं की साझेदारी है, जैसे- पाकिस्तानी सिनेमा के साथ उर्दू और पंजाबी तो बांग्लादेश के साथ बांग्ला। कभी-कभार जब पड़ोसी देश की फिल्म अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाम हासिल करती है, कोई बड़ा पुरस्कार पाती है तो भारत में उसका नाम सुनने को मिलता है, वरना उनके सिनेमा को लेकर चर्चा नहीं होती। इस साल पाओ चोयनिंग दोरजी निर्देशित भूटान की एक सुंदर फिल्म 'लुनाना- ए याक इन द क्लासरूम' ऑस्कर में अंतिम 5 में चुनी गई है। इत्तफाक है कि दोरजी की पढ़ाई- लिखाई भारत में हुई है, लेकिन फिल्म की भारत में वाजिब चर्चा नहीं हुई। एक दशक का अंतराल

पाकिस्तानी फिल्मों को लेकर भी यही हाल है। पाकिस्तान की कोई फिल्म 11 साल बाद भारत के सिनेमा हॉल में आ रही है। इसका नाम है 'जॉयलैंड'। यह पाकिस्तान की तरफ से इस साल ऑस्कर में भी गई है। दिलचस्प बात यह भी यह फिल्म पाकिस्तान में भी कुछ तबकों की घोर आलोचना का विषय रही है, यहां तक कि कुछ समय के लिए इस पर बैन भी लगाया गया था।

पिछली रिलीज्ड फिल्म शोएब मंसूर की 'बोल' थी। सोचिए कि हम में से कितने लोग जानते हैं कि सरमद सहबाई, फरजाद नबी, सरमद सुल्तान खूसट जैसे संजीदा लोग पाकिस्तानी सिनेमा में बड़े बदलाव ला रहे हैं। कुछ साल पहले 'माहे मीर' नाम की पाकिस्तानी फिल्म की भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई थी। यह फिल्म भी पाकिस्तान से ऑस्कर अवॉर्ड के लिए ऑफिशल नॉमिनेशन थी। भारत में कुछ फिल्म फेस्टिवल में तो दिखाई गई, सराही गई पर आम जनता के लिए थिएटर रिलीज नसीब नहीं हुआ। सांस्कृतिक आवाजाही में खलल राजनीतिक-कूटनीतिक संबंधों ने सांस्कृतिक आवाजाहियों में भी खलल डाला है। उसके लिए सरकारों के पास अपने वाजिब तर्क भी होंगे। पर एक मुकम्मल तर्क यह भी है कि साझे इतिहास और सांस्कृतिक समानताओं वाले उपमहाद्वीप के देशों के बीच अमन और मुहब्बती रिश्ते सांस्कृतिक

आवाजाहियों से बेहतर बनते हैं। कलाएं आएं-जाएं, कलाओं से जुड़े लोग आएं-जाएं, जोड़ने वाली बातों को पुख्ता किया जाए, तभी तो आनेवाला कल आज से बेहतर बन सकता है।

'द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट' हाल ही पाकिस्तान में रिलीज होकर व्यावसायिक रूप से वहां की अब तक की सबसे कमाऊ फिल्म बनी है, जो पंजाबी भाषा में बनी है। इसे भारत में पीवीआर ने रिलीज करने की बात कही थी, तारीख भी तय की थी, लेकिन यह रिलीज नहीं हुई। किन्हीं कारणों से सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को पास नहीं किया, जबकि 'द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट' दोनों ओर के पंजाब में सदियों से प्रचलित लोकप्रिय लोककथा का फिल्मी रूप है, जिस पर पहले भी दोनों तरफ फिल्में बन चुकी हैं। दक्षिण के सिनेमा ने जिस तरह पिछले कुछ समय में भारतीय सिनेमा, पैन इंडियन सिनेमा को पुनर्परिभाषित किया है, अखिल महाद्वीपीय सिनेमा के भी आसार मुझे दिखाई देते हैं। ऐसे खयाल या कहानियां जिसे उपमहाद्वीप अपने को रिलेट करते हुए महसूस करे, जिसे केवल विदेश के या पड़ोस के अच्छे सिनेमा से आगे अपने ही सिनेमा के रूप में ऑर्गेनिकली ग्रहण करे। माना जाता है कि किसी भौगोलिक सांस्कृतिक इलाके के दुख और उम्मीदें अगर समान हों तो सपने भी एक से होंगे। सिनेमा में वह एकता क्यों नहीं सकारात्मक आकार ले सकती? भारतीय उपमहाद्वीप के साझे दुखों और उम्मीदों की फेहरिस्त तो इतनी लंबी है कि गिनते-गिनते उंगलियां कम पड़ जाएं। रामायण, महाभारत सहित सैकड़ों पौराणिक कहानियों का भौगोलिक लोकेल इतना साझा है, कहानी कहते-सुनते- देखते हुए उपमहाद्वीप का कोई इलाका अपरिचित या पराया नहीं लगता। कुछ साल पहले एक पंजाबी फिल्म आई थी- द ब्लैक प्रिंस। मुझे इस फिल्म से कम से कम भारतीय उपमहाद्वीप की फिल्म के रूप में दर्शकों के अच्छे रिसेप्शन की उम्मीद थी। पंजाबी के लोकप्रिय गायक सतिंदर सरताज की नायक के रूप में पहली फिल्म थी। पंजाबी के अलावा हिंदी, अंग्रेजी, फ्रेंच में भी रिलीज की गई, पर किन्हीं कारणों से दर्शकों पर वह जादू नहीं कर पाई। फिर भी मेरी उम्मीद कायम है। कोई न कोई फिल्म उपमहाद्वीप की सबसे बड़ी फिल्म होकर हॉलिवुड को टक्कर देगी और उसमें यह अहंकार भाव नहीं होगा कि यह बॉलिवुड फिल्म नहीं है या दक्षिण भारत की फिल्म है। पड़ोस के साथ संयुक्त निर्मा णभी एक सुंदर खयाल है।

भारत के चहेते, वरिष्ठ फिल्मकार श्याम बेनेगल की बांग्लादेश के निर्मा ता शेख मुजीबुर्रहमान पर फिल्म आने वाली है। क्या ही सुंदर इत्तफाक है कि हाल ही हंसल मेहता ने अपनी ताजा फिल्म 'फराज' में बांग्लादेश के एक नायक को मुंबई के सिनेमा की तरफ से एक सौगात की तरह पर्दे पर उतारा है।

संबंधों की बेहतरी यह विचार, कहानियों का आदान-प्रदान भी उपमहाद्वीप के सिनेमा ही नहीं, पहले सांस्कृतिक और फिर राजनीतिक संबंधों को बेहतर बनाने में सहयोग करेगा। हम बेहतर दुनिया बना पाएंगे क्योंकि जेहनी उदारताओं और एक दूसरे को समझने से ही अमन-बेहतरी के रास्ते बनते हैं। हवाएं और कलाएं सरहद नहीं देखतीं। सिनेमा जैसी कलाएं दिलों को जोड़ती हैं, दुख बांटती हैं, साझे सुंदर भविष्य के सपनों में रंग भरती हैं। 'जॉय लैंड' की रिलीज का स्वागत होना चाहिए और यह भी होना चाहिए कि एक सिलसिला बने, क्योंकि मोहब्बतें भी कोई पड़ाव या घटना नहीं होतीं, बहते दरियाओं सा सिलसिला होती हैं। मोहब्बतों और दरियाओं की इन रवानियों में ही जिंदगी की, दिलों की धड़कनें है।

पराग जोबनपुत्रा

# क्या यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते करीब आए भारत और जर्मनी

यह कोई छिपी हुई बात नहीं कि जर्म नी के साथ भारत के रिश्ते अन्य यूरोपीय देशों, जैसे- फ्रांस के मुकाबले पीछे रह गए। जर्म नीका चीन को ज्यादा तवज्जो देना भी इसकी एक वजह है। लेकिन यह स्थिति तेजी से बदल रही है। दिलचस्प संयोग कहिए कि चांसलर ओलाफ शोल्ज की पहली भारत यात्रा तभी हुई, जब यूक्रेन युद्ध का एक साल पूरा हो रहा था। यूक्रेन पर रूसी हमला इस लिहाज से भी ऐतिहासिक है कि यह जर्म नीकी सुरक्षा नीति में बदलाव का कारण बना। इसी बदलाव की वजह से जर्म नी ने सामरिक मामलों को लेकर दशकों से चली आ रही उदासीनता छोड़ने का फैसला किया। इसकी तस्दीक अपना रक्षा खर्च बढ़ाकर जीडीपी के 2 फीसदी करने के जर्म नीके इरादे से भी होती है। बदल गई प्राथमिकता यूक्रेन युद्ध और चीन के आक्रामक रुख ने व्यापार के जरिए बदलाव लाने के जर्म नीके नजरिए को सवालों के घेरे में ला दिया, जिससे वहां ऊर्जा और व्यापार के मामले में निर्भ रता कम करने पर गंभीर पुनर्विचार शुरू हो गया। रूस और चीन के साथ रिश्तों में बढ़ती अनिश्चितता के कारण पूरे यूरोप में समान विचार वाले देशों के साथ मूल्य आधारित साझेदारी कायम करने का आग्रह बढ़ रहा है, जिससे जर्म नी और भारत के करीब आने के मौके भी बने हैं। शोल्ज के हालिया दौरे की मीन जर्म नविदेश मंत्री बाएरबॉक की दिसंबर 2022 में हुई यात्रा से और छठे भारत-जर्म नी इंटरगवर्नमेंटल कंसल्टेशंस यानी IGC (द्विवर्षीय वार्ता का एक मंच, जिसकी शुरुआत 2011 में हुई थी) से तैयार हुई। IGC का मकसद रक्षा, व्यापार, क्लीन एनर्जी, माइग्रेशन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और हिंद-प्रशांत के क्षेत्र में सहयोग को विस्तार देना है। शोल्ज की यात्रा की अहमियत इस मायने में और बढ़ जाती है कि यह ऐसे समय हुई, जब भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और चाहता है कि भू-राजनीति के समीकरण इस मंच की सहयोग भावना को बाधित न करें। चूंकि रूस-यूक्रेन युद्ध दूसरे साल भी जारी है, इसलिए यह युद्ध और पूरी दुनिया पर हो रहे इसका असर बातचीत के केंद्र में रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी शांति प्रक्रिया में योगदान करने को लेकर भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। जर्म नी की पहले वाली चीन केंद्रित एशिया नीति के विपरीत शोल्ज ने 2021 में पदभार संभालने के बाद सबसे पहले जापान की यात्रा की और उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छठे IGC के लिए बर्लिन आमंत्रित किया। एशिया की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाने की यह पहल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में

जर्म नीकी व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें भारत को अहम साझेदार माना गया है। ध्यान रहे, यूरोप के इकॉनमिक पावरहाउस के दर्जे और निर्या तपर निर्भ रताके मद्देनजर सप्लाई चेन और एशिया को यूरोप से जोड़ने वाले व्यापारिक मार्गों की स्थिरता जर्म नी के लिए विशेष महत्वपूर्ण हो जाती है। अपनी भारत यात्रा से ठीक पहले दिए गए एक इंटरव्यू में शोल्ज ने इस क्षेत्र में ज्यादा सैनिकों को तैनात करके अपनी सामरिक मौजूदगी बढ़ाने का इरादा जताया। 1921 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपना युद्धपोत बेयर्न भेजने का जर्म नीका सांकेतिक कदम भी इसी रणनीति का हिस्सा था। भारत और जर्म नी के बीच हाल में हुए त्रिकोणीय सहयोग का समझौता भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो तीसरे देशों में विकास परियोजनाओं से जुड़ा है। अब चूंकि भारत भी रूस पर सैन्य निर्भ रता घटाने की सोच रहा है और जर्म नीभी अपनी हथियार निर्या त नीति पर पुनर्विचार कर रहा है, तो जर्म नी भारत का अहम डिफेंस पार्टनर बन सकता है। बैठकों में जिन मुद्दों पर बात हुई, उनमें मिलिट्री हार्डवेयर का मिलजुलकर विकास और तकनीकी हस्तांतरण के अलावा 5.2 अरब डॉलर का वह समझौता शामिल है, जिसके मुताबिक जर्म नीभारत में संयुक्त रूप से छह पारंपरिक पनडुब्बी का निर्मा ण करने वाला है। यही नहीं, 2024 में फ्रांस, भारत और जर्म नी मिलकर पहला सैन्याभ्यास भी करेंगे। फिर भी जरूरी है कि दोनों देश अपनी अपेक्षाओं को जमीनी हकीकतों से जोड़कर रखें। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता से जुड़ी साझा चिंताओं के बावजूद यह सचाई है कि जर्म नी चीन के साथ सरहद साझा नहीं करता, जबकि भारत का उससे सीमा को लेकर झगड़ा है। इतना ही नहीं, जर्म नीका चीन पर से विश्वास भले ही उठ गया हो, 2022 में हुई शोल्ज की चीन यात्रा को याद करें तो उसमें यह स्पष्ट हो गया था कि जर्म नइंडस्ट्री चीन के बाजार से किस हद तक जुड़ी हुई हैं। मगर भले ही शोल्ज चीन से 'डी-कपलिंग' को मुश्किल बता रहे हों, अच्छी बात यह है कि जर्म नी व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के तहत चीन पर नई आधिकारिक रणनीति का प्रारूप तैयार कर रहा है। मुक्त व्यापार समझौता जर्म नीयूरोपियन यूनियन में भारत का सबसे बड़ा पार्टनर है। इस लिहाज से भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत की दोबारा शुरुआत से जो अजेंडा उभरा है, उसमें स्वाभाविक ही व्यापार केंद्र में है। पिछले साल ग्रीन एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट पार्टनरशिप और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में सहयोग की शुरुआत से क्लीन एनर्जी और ग्रीन टेक्नॉलजी में सहयोग, इस पार्टनरशिप के मुख्य स्तंभ के रूप में सामने आया है। जर्म नी में स्किल्ड मैनपावर की कमी के मद्देनजर मोबिलिटी और माइग्रेशन का मुद्दा भी फोकस में है। इस बिंदु पर टेक्निकली स्किल्ड इंडियंस उसके लिए खासे उपयोगी साबित हो सकते हैं। यह देखना सुखद है कि आर्थिक साझेदारी की उलझनों तक सीमित रहने के बजाय भारत और जर्म नीका रिश्ता धीरे-धीरे व्यापक साझेदारी के रूप में उभरा है। बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, उभरती बहुध्रुवीयता और यूरोप के भारत की ओर बढ़ते झुकाव के मद्देनजर भारत-जर्म नीसंबंध नई विश्व व्यवस्था को आकार देने में अहम भूमिका निभा सकता है।

भूपत सांवलिया

# भुखमरी खत्म करने के लिए क्या करना होगा?

किरीट ए. चावड़ा

इंसानों ने पिछले 100 वर्षों में कृषि उत्पादकता के मामले में जो प्रगति की है, वह बेमिसाल है। इस दौरान अनाज की पैदावार में 6 गुना बढ़ोतरी हुई, जबकि वैश्विक जनसंख्या में चार गुना से कुछ कम। इसी वजह से आज किसी व्यक्ति के लिए उसके दादा के दादा के दादा की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक खाना उपलब्ध है। स्मार्ट सॉल्यूशंस चाहिए

पैदावार में यह बढ़ोतरी एफिशिएंसी की वजह से हुई है क्योंकि इस दौरान किसानों ने प्रति हेक्टेयर जमीन से अधिक अनाज हासिल किया। इसमें हरित क्रांति का भी बड़ा योगदान रहा, जिसने खेती में आधुनिक तौर-तरीकों को बढ़ावा दिया। वैश्विक स्तर पर हरित क्रांति ने उत्पादकता बढ़ाने में जो भूमिका निभाई, उससे करीब 1 अरब लोगों को भुखमरी से बचाया जा सका। हरित क्रांति से न सिर्फ लोगों का पेट भरना संभव हुआ बल्कि इससे समाज में समृद्धि भी आई। कई अध्ययन बताते हैं कि अधिक पैदावार के तौर-तरीकों की खातिर 10 प्रतिशत निवेश बढ़ाने से प्रति व्यक्ति GDP (ग्रॉस डोमेस्टिक प्रॉडक्ट) में 10-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। खेती के आधुनिक होने से इसमें पहले जितने श्रम की जरूरत नहीं रही। इससे जो लोग फ्री हुए, उन्हें दूसरे तरीकों से आर्थिक विकास में योगदान देने का अवसर मिला। FAO का एक शोध बताता है कि हरित क्रांति से प्रति हेक्टेयर पैदावार बढ़ी, जिससे कृषि उपज में शानदार बढ़ोतरी हुई। साल 1960 से 2000 के बीच गेहूं, धान, मक्का, आलू और कसावा की पैदावार में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई। अगर विकासशील देशों की बात करें तो वहां सिर्फ गेहूं की पैदावार में इस बीच 208 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसका फायदा भारत को भी हुआ। यहां पैदावार बढ़ने से गरीबी घटाने में मदद मिली। लेकिन देश में हरित क्रांति का लाभ क्षेत्रवार मिला और यह खासकर गेहूं और धान तक सीमित रहा। बेशक, हरित क्रांति एक मील का पत्थर है, लेकिन दुनिया के सबसे गरीब देशों की मदद और वैश्विक भुखमरी में कमी लाने के लिए दूसरी हरित क्रांति की जरूरत है। 2015 के सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (SDG) में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और भुखमरी खत्म करने की भी बात शामिल है, लेकिन इस दिशा में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। कोरोना महामारी से

पहले भी इस दिशा में प्रगति काफी धीमी थी और 2030 तक के इस लक्ष्य के अब 70 साल की देरी से पूरा होने की उम्मीद है यानी यह काम 22वीं सदी की शुरुआत में ही हो पाएगा। 2015 से 2030 के लिए जो डिवेलपमेंट गोल्स तय किए गए थे, उन सारे ही लक्ष्यों को लेकर दुनिया पीछे चल रही है। इसलिए कृषि और भुखमरी सहित इन सभी लक्ष्यों के लिए स्मार्ट सॉल्यूशंस की जरूरत है और इन्हें प्राथमिकताओं में भी शामिल करना होगा। इसके लिए कृषि क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना होगा ताकि पहली हरित क्रांति जैसा रिजल्ट मिल सके। गरीब देशों में खेतीबाड़ी में शोध और अनुसंधान (R&D) पर काफी कम खर्च हो रहा है। विकासशील देशों में भी किसानों के पास खर्च करने की क्षमता बहुत ही सीमित या मामूली है। दूसरी तरफ, निजी क्षेत्र को ऐसे निवेश से बहुत कम फायदा होता है। 2015 में समूची दुनिया में खेती में R&D पर जो पैसा खर्च हुआ, उसमें से 80 प्रतिशत अमीर और उच्च मध्य आय वाले देशों में हुआ। निम्न मध्य आय वाले देशों को इसमें से 20 प्रतिशत निवेश ही मिला, जबकि दुनिया के सबसे गरीब देशों के हाथ कुछ नहीं आया। यह विषमता कोई नई नहीं है, यह तो पिछले 50 वर्षों से चली आ रही है। यही कारण है कि हरित क्रांति का जितना फायदा अमीर देशों को मिला, उतना गरीब देशों को नहीं। 1961 से 2018 के बीच जहां उच्च आय वाले देशों में अनाज की उत्पादकता में तीन गुना की बढ़ोतरी हुई, वहीं कम आय वाले देशों में यह 50 प्रतिशत ही रही। वैसे, इस क्षेत्र में तरक्की की पर्या प्त गुंजाइश है। दुनिया के गरीब देशों में अगर कृषि क्षेत्र में शोध और अनुसंधान में निवेश बढ़ाया जाता है तो उससे नाटकीय फायदे होंगे। कोपेनहेगन कंसेंशस ने दिखाया है कि इस फायदे के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को R&D पर सालाना 5.5 अरब डॉलर की रकम खर्च करनी होगी, जो तुलनात्मक रूप से कम है। इससे अधिक पैसा तो अमेरिकी लोग हर साल आइसक्रीम खाने पर खर्च कर देते हैं। दूसरी तरफ, इस निवेश से बीजों की गुणवत्ता बेहतर होगी और अधिक उत्पादकता वाली फसलें मिलेंगी, जो मौसमी बदलावों से भी निपटने में कहीं अधिक सक्षम होंगी। इधर, हमने देखा है कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसमी बदलाव की घटनाएं कितनी आम हो गई हैं। कृषि क्षेत्र में R&D में निवेश बढ़ाने से जहां किसानों की पैदावार बढ़ेगी, वहीं अधिक पैदावार से उपभोक्ताओं को ये चीजें सस्ती मिलेंगी। शोधकर्ता ओंका दावा है कि इससे 35 वर्षों में 2 लाख करोड़ डॉलर से अधिक का लाभ होगा। इसमें हर डॉलर के निवेश से 33 डॉलर के सोशल बेनिफिट्स मिलेंगे। इस लिहाज से इसे शानदार निवेश माना जाना चाहिए। उपभोक्ताओं का भी फायदा

2050 तक इस अतिरिक्त निवेश से पैदावार में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी, खाद्यान्न के दाम 16 प्रतिशत घटेंगे और प्रति व्यक्ति आय में 4 प्रतिशत का इजाफा होगा। इस निवेश से विकासशील देशों के जीडीपी में 2030 तक 2.2 लाख करोड़ डॉलर की वृद्धि होगी और 2050 तक 11.9 लाख करोड़ डॉलर की। यह प्रति व्यक्ति आय में क्रमशः 2 और 6 प्रतिशत का इजाफा है। कृषि क्षेत्र में बेहतर शोध और अनुसंधान से ग्लोबल एमिशन में भी 1 प्रतिशत से अधिक की कमी आएगी। यह गेम चेंजिंग कदम हो सकता है, जिससे इस दशक में समूची मानवता का भला होगा।

# शिवसेना संकट राजनीति के दायरे में आता है

## न्यायपालिका को फैसला सुनाने नहीं कहा जा सकता

शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के गुट ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जून, 2022 महाराष्ट्र राजनीतिक संकट से जुड़ी याचिकाएं राजनीति के क्षेत्र के तहत आती हैं और न्यायपालिका से इस संकट पर फैसला देने को नहीं कहा जा सकता है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके गुट के विधायकों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाई चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ से कहा कि अदालत को अनुमानों पर आगे नहीं बढ़ना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ जून 2022 में महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। न्यायमूर्ति चन्द्रचूड़, न्यायमूर्ति एमआर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ को साल्वे ने बताया कि इस रास्ते पर आगे बढ़ना इस अदालत के लिए बहुत जोखिम भरा होगा। उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल ने मौजूदा मुख्यमंत्री से बहुमत साबित करने को कहा। ऐसा नहीं हुआ। आपको कैसे पता कि कौन किसका समर्थन करता? तब क्या होता अगर उनके गठबंधन सहयोगियों में से कोई कह देता कि हम समर्थन नहीं करना चाहते? हमें नहीं पता है। साल्वे ने बेंच से कहा कि हम हम वकीलों के लिए यह तय करने का मुद्दा नहीं है। यह राजनीति के दायरे में आता है। ऐसे में माननीय से इन अनुमानों का खतरा मोल लेने के लिए कैसे अनुरोध किया जा सकता है। यह दलील देते हुए कि शीर्ष अदालत में दायर सभी याचिकाओं में लिखी बातें सिर्फ 'अकादमिक' हैं, साल्वे ने कहा कि ठाकरे ने कभी बहुमत साबित नहीं किया। साल्वे ने कहा कि देखें, जब शिंदे विधानसभा में बहुमत साबित करने आए तो क्या हुआ। ठाकरे के कट्टर समर्थक 13 लोग मतदान से अनुपस्थित थे। राजनीति में ऐसी चीजें होती हैं। बेहद तेजी से बदलते ये राजनीतिक परिदृश्य हर मोड़ पर अपना रूख बदल लेते हैं। हम इनका अनुमान नहीं लगा सकते हैं। यह स्वीकार करते हुए कि 10वीं अनुसूची पूरी तरह से त्रुटिमुक्त नहीं है, उसमें कई खामियां हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है, साल्वे ने कहा कि वर्तमान मामले में सबकुछ सिर्फ 'अकादमिक' है और अदालतों को एक हद से आगे नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति के अपराधीकरण, चुनावी फंडिंग, चुनाव में खर्च आदि की समस्या है। समस्याएं हैं लेकिन हम एक हद से आगे नहीं बढ़ सकते हैं। शिंदे गुट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने भी तर्क दिया कि विधायक दल और मूल राजनीतिक दल के बीच एक कृत्रिम अंतर पैदा करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार बहुमत खो चुकी है और एक धड़ा आकर कहता है कि हमारे पास बहुमत है तो राज्यपाल ने शिंदे गुट को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने के लिए बुलाकर क्या गलती की है? मामले में सुनवाई अधूरी रही और 14 मार्च को होली की छुट्टी के बाद फिर से शुरू होगी।

# नगालैंड विधानसभा चुनाव में शरद पवार की एनसीपी को 7 सीटें

मुंबईः शरद पवार को यूं ही राजनीति का चाणक्य नहीं कहा जाता है। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में चुनाव हुए। त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड। इनमें से नगालैंड विधानसभा चुनाव के नतीजों में शरद पवार की नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने एक्सपर्ट्स को हैरान कर दिया है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर मिल रहे रुझानों और नतीजों को देखें तो एनसीपी का मुख्य विपक्षी पार्टी बनना तय है।

जहां एक ओर बीजेपी और एनडीपीपी अलायंस ने यहां बहुमत हासिल कर लिया है।वहीं दूसरी ओर शरद पवार की एनसीपी छह सीटों पर जीत चुकी है और एक पर उसके कैंडिडेट आगे चल रहे हैं। वोट शेयर मे ंभी बीजेपी गठबंधन के बाद दूसरे नंबर पर वोटों की हिस्सेदारी की बात करें तो इसमें भी एनसीपी तीसरे नंबर पर है। एनडीपीपी को सबसे ज्यादा 32.2 प्रतिशत (25 सीटें) और उसके बाद बीजेपी को 18.9 प्रतिशत वोट (12 सीटें) हासिल हुए हैं। गौर करने वाली बात है कि ये दोनों अलायंस पार्टनर हैं। इसके बाद शरद पवार की एनसीपी को 9.5 प्रतिशत वोट मिले हैं। वहीं 2018 के विधानसभा चुनाव में 27 सीटें और 39 प्रतिशत वोट हासिल करने वाले एनपीएफ को महज 7 प्रतिशत वोट और दो सीटें मिलती दिख रही हैं। ऐसे में शरद पवार और उनकी पार्टी के लिए नगालैंड के नतीजे उत्साह बढ़ाने वाले हैं।

इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा की कसबा और चिंचवड सीट के उपचुनाव के नतीजे गुरुवार को सामने आए। इसमें कसबा सीट पर कांग्रेस ने बाजी मारी है। जबकि चिंचवड सीट पर बीजेपी ने एनसीपी उम्मीदवार को हराया है। महाराष्ट्र में भले ही एनसीपी का उम्मीदवार न जीता हो लेकिन नगालैंड विधानसभा चुनाव में एनसीपी के लिए अच्छी खबर है। एनसीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन को बताया कि नगालैंड के विधानसभा चुनाव में एनसीपी ने साठ में से सात सीटों पर चुनाव लड़ा था। इन सात में से दो सीटों पर हमारे उम्मीदवार जीते हैं जबकि बाकी पांच सीटों पर हम आगे चल रहे हैं।

हमें उम्मीद है कि इस बार हमारी सीट नगालैंड में बढ़ेगी। क्लाइड क्रास्टो ने बताया कि इसके पहले हमारा नार्थ-ईस्ट में एक विधायक था। नगालैंड में हमारी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अच्छा काम कर रहे हैं, इसलिए हमको जनता का समर्थन मिल रहा है। एनसीपी के जीतने वाले प्रत्याशी वाई मानखाओ कोनयाक और ए पोंगशी फोम हैं। आरपीआई ने भी नागालैंड में दो सीटों पर जीत दर्ज की केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की पार्टी आरपीआई ने भी नागालैंड में दो सीटों पर जीत दर्ज की है। आरपीआई नेता हेमंत रणपिसे ने एनबीटी ऑनलाइन से बातचीत में कहा कि इस चुनाव में हमारी पार्टी ने खुद के दम चुनाव लड़ा था और दो सीटें जीती हैं। रिपब्लिकन पार्टी के इतिहास में पहली पर किसी राज्य में आरपीआई ने विधानसभा की दो सीटें जीती हैं।

रणपिसे ने कहा कि इस बार हमने आठ सीटों पर हमने चुनाव लड़ा था। तीन सीटों पर हम कुछ वोटों से हारे हैं। हमको गन्ना किसान का चुनाव चिन्ह मिला था। आरपीआई के उम्मीदवार इम्तियोबा ने टूएनसंद सदर- 2 से जीत दर्ज की है वहीं नोकसेन विधानसभा से वाय. लिमा ओनेन चँग विजयी हुए हैं। इस बड़ी जीत के जश्न को मनाने के लिए आजाद मैदान स्थित पार्टी कार्यालय में खुद केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले मौजूद रहे।

### गौतमबुद्धनगर में धारा 144 लागू

**नोएडा।** होली के त्योहार को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर जिले में धारा 144 लगा दी गई है। यह आदेश पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने जारी किए है। धारा 144 जारी रहने के दौरान बिना सरकारी अनुमति के कोई भी जनसभा अथवा बड़ा सार्वजनिक आयोजन नहीं किया जा सकता। 4 से अधिक लोग एक स्थान पर एकत्रित नहीं हो सकते। आगामी 7 व 8 मार्च को रंगों का त्योहार होली मनाया जाएगा। इसी बीच शब ए बारात व नवरात्रि का त्योहार भी आ रहा है। 30 मार्च को रामनवमी का पर्व भी है। इन त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था कायम करने के मकसद से गौतमबुद्ध नगर जिले में धारा 144 लगा दी गई है।

### 25 हजार का इनामी बंदी

**गाजियाबाद।** क्राइम ब्रांच की टीम ने 25 हजार के ईनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच टीम के अनुसार थाना साहिबाबाद में गैंगस्टर एक्ट में वांछित मसरूफ निवासी दरियागंज थाना अहोडिया जिला अररिया विहार को साहिबाबाद से गिरफ्तार किया गया है। मसरूफ ने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि वह शातिर चोर व रेलवे परिसर में चोरी करने वाले गैंग का सक्रिय सदस्य है और गैंग के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर गाजियाबाद, दिल्ली सहित आस-पास के क्षेत्रों में ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों का सामान चोरी कर बेच देते हैं। क्राइम ब्रांच मसरुफ से पूछताछ के बाद उसके गैंग के अन्य हजमाशों की तलास में है।

### किशोरी से छेड़छाड़

**पिलखुवा।** कोतवाली के गांव बझेड़ा मे घर मे घुसकर किशोरी से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। किशोरी ने परिजनों को घटना से अवगत कराया। इसके बाद कोतवाली पहुंचकर परिजनो ने पुलिस को तहरीर दी। बझेड़ा मे रहने वाले परिवार ने बताया गांव के युवक ने हमारी बेटी के साथ घर में घुसकर छेड़छाड़ की है। पुलिस का कहना है कि मामला संज्ञान मे नहीं है। तहरीर आने पर जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

### बच्ची से दुष्कर्म

**गढ़मुक्तेश्वर।** गढ़ क्षेत्र के एक गांव से शादी में परिजनों के साथ गई 6 वर्षीय बच्ची के साथ रेप करने का मामला सामने आने पर पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गढ़ कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि उसकी 6 वर्षीय भांजी क्षेत्र के ही गांव में एक रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में गई हुई थी जहां उसके साथ एक युवक ने रेप की घटना को अंजाम दिया। घटना कई दिन पुरानी बताई जा रही है। इस संबंध में पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

### कीटनाशक पीने से फौजी की मौत

**पिलखुवा।** गांव कनकपुर में एक फौजी ने कीटनाशक पी लिया। हालत बिगड़ने पर अस्पताल में ले गये जहां डाक्टरों ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। मरने वाले फौजी का नाम कपिल कुमार है। पिछले साल दिसम्बर में ही शादी हुई थी। अगले कुछ दिनों के बाद ही छुट्टी से वापस जाना था। शव का पंचनामा भरकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच के बाद ही आत्महत्या के कारणों का पता लगेगा।

# BJP ने पवार के खिलाफ सौंपा विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव

## शिंदे सरकार को बताया था 'महाराष्ट्र विरोधी

भाजपा ने गुरुवार को विधान परिषद में राज्य सरकार को कथित तौर पर 'महाराष्ट्र विरोधी' बताने के लिए विधानसभा में विपक्ष के नेता अजित पवार के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया। सत्र शुरू होने से एक दिन पहले अजित पवार ने कहा था कि शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार महाराष्ट्र विरोधी है, क्योंकि वह बड़ी निवेश परियोजनाओं को राज्य से बाहर जाने दे रही है। भाजपा के प्रवीण दारेकर ने गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पवार के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव उपसभापति नीलम गोरहे को सौंपा है। उन्होंने कहा, पवार ने निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा बनाई गई सरकार का अपमान किया है। हम (विपक्ष) महाराष्ट्र विरोधी सरकार के चाय के निमंत्रण में शामिल नहीं होंगे, ये पवार के शब्द थे। परिषद में विपक्ष के नेता भी उनके बगल में बैठे थे। उन्होंने कहा, चाय का निमंत्रण सरकार की ओर से था। क्या हमें इसे उन सभी विधायकों और विधान पार्षदों का अपमान मानना चाहिए जो इस सरकार का हिस्सा हैं? विपक्ष के नेता के पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह के अनुचित और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। उनकी टिप्पणियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उपसभापति गोरहे ने कहा कि प्रस्ताव पर फैसला आठ मार्च के बाद लिया जाएगा। बुधवार को राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कोल्हापुर में विधिमंडल को 'चोरमंडल' कहा था, जिससे विधायक नाराज हो गए थे और उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव दायर किया गया था। विधानसभा स्पीकर ने इसकी सुनवाई के लिए एक समिति का गठन भी किया। उसी दिन विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने विपक्षी विधायकों को कथित तौर पर 'राष्ट्र विरोधी' बताने के लिए सीएम शिंदे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया था। सत्र से पहले पारंपरिक चाय पार्टी पर विपक्ष के बहिष्कार का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा था कि इसने उन्हें 'राष्ट्र विरोधियों' के साथ चाय पीने से बचाया।

# सितारों के बीच भव्य अंदाज में संपन्न हुआ फिल्म 'गजनवी' का प्रीमियर

मुम्बई। सनोज मिश्रा द्वारा निर्देशित और उन्ही के द्वारा निर्मित फिल्म 'गजनवी' का मुम्बई के गोरेगांव स्थित मूवीस्टार सिनेमाघर में प्रीमियर संपन्न हुआ. इस मौके पर फ़िल्म के निर्माता-निर्देशक सनोज मिश्रा समेत फिल्म के तमाम कलाकार भी मौजूद थे. सभी ने फिल्म की रिलीज़ को लेकर ख़ुशी जताई. सस्पेंस-थ्रिलर फ़िल्म 'गजनवी' देशभर के 400 से ज़्यादा सिनेमाघरों में रिलीज़ कर दी गई और रिलीज़ के दिन ही फ़िल्म के भव्य प्रीमियर का आयोजन किया गया जिसमें ना केवल फिल्म के तमाम सितारों ने शिरकत की बल्कि बॉलीवुड की कई और बड़ी हस्तियों ने भी प्रीमियर में शामिल होकर फ़िल्म के मेकर्स और सितारों को अपनी-अपनी शुभकामनाएं दीं.फ़िल्म 'गजनवी' के प्रीमियर के मौके पर फिल्म के प्रमुख कलाकारों में राजवीर सिंह, हेरम्ब त्रिपाठी, तान्या मिश्रा, आदित्य रॉय, दीपक सूठा, अनिल अंजुनिल, डॉ. रामेंद्र चक्रवर्ती, आरती यादव, आर. के. सिंह, गुड्डू सिंह कुशवाहा जैसे कलाकारों मौजूद थे. सभी के प्रीमियर के मौके पर सभी के चेहरों पर अपनी मेहनत के फलीभूत होने और तमाम चुनौतियों के बाद फ़िल्म के रिलीज़ होने की ख़ुशी साफतौर पर देखी जा सकती थी.इस अवसर पर अभिनेता हेरम्ब त्रिपाठी ने कहा कि एक कलाकार को सबसे बड़ा फल तब मिलता है जब उसकी फिल्म पूरी होकर दर्शकों के बीच पहुंच जाती है. हम सबने इस फ़िल्म के लिए ख़ूब मेहनत की है और मुझे पूरा यकीन है कि दर्शकों को फिल्म की कहानी के साथ-साथ गीत-संगीत, निर्देशन, अभिनय सभी कुछ बहुत पसंद आएगा.उल्लेखनीय है कि एक बेहतरीन लेखक और निर्देशक के तौर पर मशहूर रहे सनोज मिश्रा ने फ़िल्म 'गज़नवी' के ज़रिए फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी क़दम रख लिया है. सनोज मिश्रा ने फिल्म के प्रीमियर के मौके पर अपनी ख़ुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि पहले मैं बतौर लेखक और निर्देशक ही फिल्म के रिलीज़ होने और दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतज़ार करता था, लेकिन अब मुझे फिल्म के रिलीज़ होने और दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने की और एक और ख़ास वजह मिल गयी है. मुझे ख़ुशी और गर्व है कि मैंने फिल्म 'गजनवी' के माध्यम से निर्माता बनने के बारे में सोचा और इस फ़िल्म का निर्माण किया.फिल्म के प्रीमियर में लोगों से मिले उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया के बारे में निर्माता-निर्देशक सनोज मिश्रा ने कहा कि प्रीमियर ने जिस तरह से लोगों ने फ़िल्म के प्रति जोश दिखाया है, उसे देखकर मैं यकीनन यह कह सकता हूं कि यह फिल्म लोगों को बहुत पसंद आएगी.सनोज मिश्रा ने आगे कहा कि यह फिल्म महज एक सस्पेंस-थ्रिलर फ़िल्म नहीं है बल्कि इसमें मनोरंजन के तमाम मसाले भी मौजूद हैं. यह फिल्म मेरी अब तक की तमाम फिल्मों में से सबसे बेहतरीन फ़िल्म है.इस फिल्म को सनोज मिश्रा के साथ राजेंद्र कुमार गुप्ता, रामबाबू गुप्ता और आर. के. सिंह ने मिलकर प्रोड्यूस किया है जबकि इस फिल्म के प्रस्तुतकर्ता हैं तापस मुखर्जी, अधीर दत्ता और प्रबीर दत्ता.

# अपने रूसी समकक्ष लावरोव से मिले जयशंकर, द्विपक्षीय सहयोग और जी20 मुद्दों पर हुआ मंथन

भारत इस समय जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को विदेश मंत्रियों की बैठक कल होगी। मंत्रिस्तर की यह दूसरी बैठक होगी। इससे पहले, भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव से दिल्ली में मुलाकात की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस मुलाकात के बारे में जानकारी दी है। रूसी समकक्ष से मुलाकात को लेकर उन्होंने कहा कि हमने द्विपक्षीय सहयोग और जी20 मुद्दों पर चर्चा की। इन देशों के मंत्रियों से भी की मुलाकात नीदरलैंड के विदेश मंत्री वोपके होकेस्ट्रा ने दिल्ली में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक के मौके पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की। साथ ही अर्जेंटीना के विदेश मंत्री सैंटियागो कैफिएरो ने भी दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री से मुलाकात की। ये सभी मंत्री जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत आए हैं। गौरतलब है कि गुरुवार को राजधानी दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में जी-20 के विदेश मंत्रियों की मंत्रिस्तर की यह दूसरी बैठक होगी। इस बैठक में 40 प्रतिनिधिमंडलों के भाग लेने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र शासन

**महाराष्ट्र शासन**

सार्वजनिक बांधकाम विभाग

**"ड" - निविदा सूचना २०२२-२३**

खालील कामाच्या निविदा कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई, २ रा माळा, बांधकाम भवन, २५ मर्झबान रोड, फोर्ट मुंबई ४०० ००१ दूरध्वनी क्रमांक २२०१६९७५ हे खालील कामासाठी अनुभवी कंत्राटदार / ठेकेदार यांचेकडून खालील कामाकरीता **"ड- नमुन्यातील"** निविदा मागवित आहेत. को-या निविदेचा नमुना, कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई, यांचे कार्यालयातून **दिनांक ०६.०३.२०२३ ते १३.०३.२०२३** पर्यंत देण्यांत येईल. कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई, भरुन पाठविलेल्या सिलबंद निविदा **दिनांक १५.०३.२०२३** पूर्वी / त्यादिवशी दुपारी २.०० वाजेपर्यंत स्विकारतील आणि शक्यतो त्याच दिवशी उघडतील.

| अ.क्र | कामांचे नांव | अंदाजित किंमत (रु. लाखांत) | इसारा रक्कम (रुपये) | काम पूर्ण करण्याची कालमर्यादा | निविदेचा नमूना प्रकार | कोरा निविदा नमुन्याची किंमत |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
| १. | Supply of Sofa, Chair, Teapoy, corner table at Mantralay Main Building Mumbai. (SM-29002) | रु.८४३९०४.०० | रु.८५००.०० | ७ दिवस | "ड" | ५९०/- |
| २. | Supplying of Garden Furniture to Avanti - Amber Building at N.D.Road Mumbai - (WN-28962) | रु.६८२६२९.०० | रु.७०००.०० | ७ दिवस | "ड" | ५९०/ |
| ३. | Supply of Sofa, Chair, Teapoy, corner table at Mantralay Annex Building Mumbai. (SM-29003) | रु.८४२७७१.०० | रु.८५००.०० | ७ दिवस | "ड" | ५९०/ |
| ४. | Supplying Garden Furniture at Deogiri Bunglow at N.D.Road Mumbai. (WN-28963) | रु.६८२२५८.०० | रु.७०००.०० | ७ दिवस | "ड" | ५९०/ |

कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांचे कार्यालयामध्ये सूचना फलकावार सविस्तर निविदा सूचना पहावयास मिळेल. एक किंवा सर्व निविदा कोणतेही कारण न देता रद्द ठरविण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता यांनी राखून ठेवला आहे.

**जा.क्र. काअ/इशवि/भांडार/डी-निविदा/ ३६४०**
कार्यकारी अभियंता, यांचे कार्यालय,
इलाखा शहर विभाग, बांधकाम भवन,२ रा मजला,
२५, मर्झबान पथ, फोर्ट, मुंबई - ४०० ००१.
दुरध्वनी क्र. २२०१६९७५ / २२०१६९७३
ई-मेल - presidency.ee@mahapwd.com
**दिनांक :- ०२/०३/२०२३**

सही/-
**(सी.टी.नाईक)**
**कार्यकारी अभियंता,**
**इलाखा शहर विभाग, मुंबई**

**प्रत :-** अधीक्षक अभियंता, मुंबई (सा.बां.) मंडळ, मुंबई यांना माहितीकरीता सविनय सादर.
**प्रत :-** उप अभियंता, पश्चिम/दक्षिण/मध्य/ मुंबई उप कार्यकारी अभियंता, / प्रकल्प शाखा विभागीय कार्यालय मुंबई यांना माहितीसाठी रवाना.

# डायबिटीज रोगी भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन, बढ़ सकता है ब्लड शुगर लेवल

राज के.वेगड़

डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में ही नहीं दुनियाभर में डायबिटीज के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1980 में दुनियाभर में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 10 करोड़ 80 लाख रुपये के आसपास थी, लेकिन साल 2014 में मरीजों का आंकड़ा बढ़कर 42 करोड़ से ज्यादा हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, 2000 से 2016 के बीच डायबिटीज की वजह से समय से पहले मृत्यु दर में पांच फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में डायबिटीज एक ऐसी बीमारी बन गई है, जिसकी चपेट में अधिकतर लोग आ रहे हैं। डायबिटीज के मरीज को अपने खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कुछ चीजों के सेवन से डायबिटीज मरीज का शुगर लेवल बढ़ जाता है, जो उनके लिए नुकसानदायक हो सकता है। अगर आप या आपके परिवार में भी कोई डायबिटीज का मरीज है, तो शुगर लेवल को नियंत्रित रखने वाली

चीजों का सेवन करें।

**आलू और शकरकंद**

डायबिटीज के मरीज हैं तो आलू और शकरकंद का सेवन न करें। आलू और शकरकंद खाने से ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ता है, जो मधुमेह रोगी के लिए घातक साबित हो सकता है।

**आइसक्रीम, केक, चॉकलेट**

डायबिटीज रोगियों को मीठा कम खाना चाहिए। वहीं आइसक्रीम, केक और चॉकलेट जैसी चीजों के सेवन से बचना चाहिए। पेस्ट्री, केक, क्रीम बिस्किट आदि खाने से रक्त शर्करा में तेजी से बढ़ोतरी होती है। मधुमेह रोगियों के लिए यह नुकसानदायक हो सकता है।

**तले खाद्य पदार्थ**

मसालेदार, तला भुना खाने का शौक रखने वाले डायबिटीज मरीजों को भूलकर भी नमकीन, पकौड़े और कचौड़ी जैसी चीजें नहीं खानी चाहिए। तली भुनी या अधिक वसा वाली डिश में हाई कार्बोहाइड्रेट होता है, जो डायबिटीज मरीजों की सेहत के लिए हानिकारक है। डॉक्टर डायबिटीज मरीजों को रिफाइंड तेल का उपयोग न करने का सलाह देते हैं।

**फलों का जूस**

फल भले ही सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं लेकिन डायबिटीज के मरीजों को फलों का जूस नहीं पीना चाहिए। इसमें केले, चीकू, शरीफा, फ्रूट जूस, फ्रूट मिल्क शेक आदि का सेवन भूल से भी न करें। फलों का जूस मधुमेह रोगियों के ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा सकता है।

# बढ़ते तापमान के साथ इन चीजों का करें सेवन, पेट की समस्याएं होंगी दूर

चार्ल्स पटेल

गर्मियों का मौसम आते ही कई तरह की शारीरिक समस्याएं बढ़ने लगती हैं। गर्मियों में तापमान बढ़ने पर शरीर में पानी की मात्रा कम होने लगती है। थोड़ी सी लापरवाही के कारण डिहाइड्रेशन, उल्टी, दस्त, चक्कर आना और कमजोरी आदि

होने लगती हैं। वहीं गर्मियों में मसालेदार या तला भुना खाने से शरीर का पाचन तंत्र भी बिगड़ने लगता है। इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है, जिससे बैक्टीरिया या वायरस का खतरा बढ़ जाता है। इन कारणों से भी गर्मी में लोगों को पेट दर्द, गैस, पेट में संक्रमण, एसिडिटी, लूज़ मोशन और उल्टी जैसी पाचन से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। अधिकतर लोगों को गर्मी में एसिडिटी और गैस की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ गर्मी के दिनों में भरपूर पानी के सेवन की सलाह देते हैं, ताकि पानी शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकाल सके। डिहाइड्रेशन की समस्या भी न हो। हालांकि पानी के अलावा भी गर्मी में कुछ चीजों का सेवन लाभकारी है। कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिनका सेवन करने से शरीर में पानी की कमी दूर होती है, साथ ही शरीर को ठंडक मिलती है।

**खीरा-पपीता**

ताजे फलों का सेवन हर मौसम में शरीर के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि गर्मियों में तापमान बढ़ने पर खीरा और पपीता खाने से शरीर को ठंडक मिलती है और पानी की कमी पूरी होती है। पपीता और खीरा में भरपूर फाइबर पाया जाता है। इनके सेवन से पेट को ठंडक मिलती है। ये पित्त को बैलेंस करके शरीर का पीएच भी स्वस्थ रखते हैं। अगर गर्मियों में आप गैस या एसिडिटी की समस्या होती है तो भी खीरे और पपीते का सेवन लाभदायक होता है।

**नारियल पानी**

शरीर के लिए नारियल पानी बहुत फायदेमंद है। नारियल पानी में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिशन पाया जाता है, जो शरीर में पानी की कमी को दूर करता है। इसके सेवन से पारा अधिक बढ़ने पर शरीर को अंदरूनी ठंडक भी मिलती है। नारियल पानी में बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने के भी गुण होते हैं। इसमें फाइबर का गुण भी होता है, जो पाचन को दुरुस्त रखता है।

**खरबूजा**

खरबूजा गर्मियों का मौसमी फल है। खरबूजे का सेवन पेट के लिए फायदेमंद होता है। खरबूजे में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर एसिड रिफ्लक्स के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में कई तरह के आवश्यक तत्वों की पूर्ति होती है। वहीं गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी को भी खरबूजा दूर करता है। गैस और एसिडिटी की समस्याओं से भी निजात मिलता है।

# इन त्वचा संबंधी रोगों से हैं परेशान, तो जानिए बचाव के तरीके और उपचार

महेक जोबनपुत्रा

सर्दियां जा रही हैं और गर्मी का मौसम आने वाला है। गर्मी के मौसम के आने से पहले आपको कुछ तैयारियां कर लेने की जरूरत है। गर्मी में कई तरह की समस्याओं और बीमारियों की शुरुआत होने लगती है। इनमें अधिकतर कई त्वचा संबंधी समस्याएं गर्मी के आते ही शुरु हो जाती है। त्वचा के लिहाज से गर्मी का मौसम सबसे खराब मौसम हो सकता है। कई सारी स्किन समस्याओं से बचने के लिए पहले से ही कुछ उपाय कर लेने चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि पहले गर्मियों में होने वाली त्वचा समस्याओं के बारे में आपको जानकारी रहे। कई बार आप किसी तरह की त्वचा संबंधी रोग से परेशान होते हैं लेकिन आपको उसके बारे में अधिक जानकारी नहीं

होती, जिससे रोग का इलाज करने में भी देरी होने की संभावना होती है। चलिए जानते हैं गर्मियों में होने वाली त्वचा समस्याओं के बारे में और उनसे बचने के तरीके व उपचार। रूखी त्वचा सर्दियों की तरह की गर्मियों में भी आपकी त्वचा बेजान हो जाती है। गर्म हवा के कारण ड्राई स्किन से कई लोग परेशान रहते हैं। धूप, एसी या पूल में रहने के कारण इस तरह की चिड़चिड़ी त्वचा आपको परेशान कर सकती है। ऐसे में रूखी त्वचा से बचाव के लिए कुछ उपाय कर सकते हैं।

-धूप में निकलें तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

-नहाते समय त्वचा धोने के लिए माइल्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें।

-नहाते समय गर्म पानी की बजाय गुनगुने पानी का उपयोग करें।

-नहाने के बाद और रूखी त्वचा होने पर मॉइस्चराइजर लगाएं लेकिन ध्यान रहे कि वह सुगंध रहित हो।

खुजली वाले दाने

गर्मी में अक्सर बच्चों और बड़ों को खुजली वाले दाने हो जाते हैं। जो लोग बाहर रहते हैं, धूप में अधिक समय बिताते हैं, पैदल चलते हैं, उन्हें पसीने और पॉइज़न आइवी नाम के तैलीय रार पौधे के कारण खुजली वाले दाने हो जाते हैं। इससे शरीर पर चकते पड़ जाते हैं और बहुत ज्यादा खुजली होती है। इनसे बचने के लिए धूप में कम निकलें। बाहर से आएं तो कपड़े और त्वचा को धोएं। वर्कआउट के बाद अपने कपड़ों को तुरंत बदल लें।

# उठने- बैठने के ये गलत तरीके शरीर पर डालते हैं बुरा असर, सही पोस्चर के लिए अपनाएं ये उपाय

आपने फौजियों की परेड देखते समय यह जरूर ध्यान दिया होगा कि वे सभी एक जैसे तने शरीर और चुस्त चाल के साथ चलते हैं। लम्बे समय तक एक ही पोजीशन में खड़े रहने या बंदूक ताने रहने के बावजूद उनके पोस्चर पर कोई असर नहीं होता। इसका कारण होता है सही पोश्चर में रहने का अभ्यास। सही पोस्चर केवल आपके शरीर को दुरुस्त रखने में ही मदद नहीं करता, इससे आपके मन की स्थिति पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। आजकल दिनचर्या और जीवनशैली के बदलने का असर उठने-बैठने के तरीकों पर भी पड़ा है। इससे कम उम्र में ही पोस्चर बिगड़ने की आशंका भी बढ़ने लगी है। एक अच्छे पोस्चर के लिए जरूरी है शुरुआत यानी बचपन से ही बैठने-खड़े होने के तरीकों पर ध्यान देना। खासकर जब बच्चे बैठें तो उनकी पीठ सीधी और तनी रहे। एक बार यह आदत होने पर हमेशा ही पोश्चर सही बनाए रखने में मदद मिलती है। बचपन में अगर प्रयास न किया हो तो युवावस्था में भी पोस्चर को सही बनाने की कोशिश की जा सकती है क्योंकि उम्र के बढ़ते जाने के साथ गलत पोस्चर न केवल आपकी आदत बन सकता है बल्कि शरीर उसी तरीके से ढल जाता है और फिर पोस्चर को चाहते हुए भी सुधारा नहीं जा सकता। इसलिए कोशिश करें कि कम उम्र में ही पोश्चर को सुधार लें।

पोश्चर को सही करने के लिए आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना होगा। ये वे तरीके हैं जो बहुत जटिल भी नहीं हैं और आसानी से आप इन्हें जीवनशैली के साथ जोड़ सकते हैं। ऐसे कुछ तरीके या बातें जो पोस्चर को सही बनाए रखने में मदद कर सकती हैं, वे हैं-

-कंधे झुकाकर न बैठें। इस तरह से बैठने से आपकी रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ता है। साथ इससे जुड़ी हड्डियों, मांसपेशियों, जोड़ों सभी पर अतिरिक्त तनाव आ जाता है। केवल रीढ़ ही नहीं कंधे झुकाकर या आगे की तरफ झुककर बैठने से फेफड़ों और आंतों के काम करने में भी बाधा आने लगती है। इतना ही नहीं, लंबे समय तक ऐसे बैठने से पाचन शक्ति के गड़बड़ाने और सांस लेने में दिक्कत होने जैसे लक्षण भी सामने आने लगते हैं जो आगे जाकर गंभीर समस्या भी खड़ी कर सकते हैं। -दफ्तर में काम करते समय या पढाई करते समय टेबल पर झुककर बैठना या पीठ को कुर्सी से दूर रखकर बैठना भी तकलीफदायक हो सकता है। यह कमर और रीढ़ दोनों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए अगर आपका काम लंबे समय तक बैठने वाला हो तो कुर्सी पर कुशन या तकिया लगाकर बैठें। ताकि आपकी पीठ सीढ़ी और तनी रहे। आप चाहें तो रीढ़ की हड्डी को सही सपोर्ट देने के लिए एक टॉवल को रोल करके भी रख सकते हैं। बैठते समय अपने घुटनों को भी समान ऊंचाई पर रखें। अगर आप पैर रखने के लिए किसी ऊँची सतह का उपयोग करते हैं तो यह सतह समतल और एक जैसी हो यह जरूरी है। पैरों को सतह पर सीधा और पूरी तरह जमीन से जुड़ा रखें। बार-बार टेबल की और झुकें नहीं।

# साप्ताहिक राशि भविष्यफल

**मेष** : सप्ताह शुभ है। सोचे कार्य समय पर होंगे। हालांकि कुछ बातों को लेकर मन भटक सकता है, अनिर्णय की स्थित आ सकती है। नौकरी-व्यवसाय को लेकर कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। पारिवारिक तालमेल बनाकर रखना होगा। आर्थिक परेशानियां कुछ हद तक कम होंगी। संपत्ति खरीदी-बिक्री के कार्यों में लाभ होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।



**वृषभ** : इस सप्ताह आपके कार्य तेज गति से होंगे। लंबे समय से कार्यों को पूरा करने में धन की कमी बनी हुई थी वह दूर हो जाएगी। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा। माता-पिता से चल रहा मनमुटाव दूर होगा। अविवाहितों के विवाह की समस्या दूर होगी। नौकरी में उन्नति, व्यवसाय में विस्तार होगा। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।



**मिथुन** : समय शुभ है। भूमि-भवन के अटके हुए कार्य पूर्ण होंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में बड़ा सम्मान मिल सकता है। मित्रों के साथ मनोरंजक यात्रा पर जाने का अवसर आएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। नौकरीपेशा लोगों का स्थानांतरण हो सकता है। व्यापारी वर्ग को लाभ होगा। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है।



**कर्क** : इस सप्ताह आपकी मानसिक स्थित में कुछ बदलाव हो सकता है। लंबे समय से जिस कार्य को लेकर परेशान थे, वह पूरा होने वाला है। आर्थिक संकटों का समाधान होगा। आपके धैर्य और संयम का सुखद परिणाम मिलने वाला है। नौकरीपेशा लोगों के विरोधी सक्रिय रहेंगे, सतर्क रहें। व्यावसायी लोग अपने कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर रखें।



**सिंह** : पारिवारिक और सामाजिक जीवन में कोई बड़ा सम्मान और पद मिल सकता है। अपने कार्यों को पूरा करने में देर न करें, अन्यथा दूसरे लोगा आपे आगे निकल जाएंगे। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। घर-परिवार में मांगलिक प्रसंग में शामिल होंगे। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। संपत्ति संबंधी काम गति पकड़ेंगे। नौकरी और व्यवसाय में समय ठीक रहेगा।



**कन्या** : सप्ताह शुभ है। सोचे सभी कार्य समय पर पूरे हो जाएंगे। दांपत्य जीवन में चल रहा मनमुटाव दूर होगा। जीवनसाथी के साथ प्रेम में वृद्धि होगी। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और परिवार में भी महत्व मिलेगा। आर्थिक स्थित के लिए सप्ताह उत्तम है। पुराने निवेश से लाभ होगा। संपत्ति की खरीदी-बिक्री से लाभ कमाएंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। नौकरी-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम संबंध प्राप्त होगा।

**तुला** : भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। नया प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है। दांपत्य जीवन उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह लाभदायक है। परिवार और मित्रों के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में उन्नति होगी, व्यापार में नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। कोई बड़ी उपलब्धि, सम्मान मिल सकता है। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए समय ठीक है।

**वृश्चिक:** इस सप्ताह आप अच्छी स्थित में रहेंगे। बहुत समय से जिन कार्यों के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे थे, वे पूरे होने वाले हैं लेकिन इसमें किसी करीबी मित्र का सहयोग लेना पड़ सकता है। प्रेम और दांपत्य के लिए सप्ताह शुभ है किंत आपके स्वास्थ्य के लिए समय ठीक नहीं है। कोई नया रोग उभर सकता है।

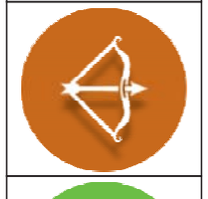

**धनु** : समय का लाभ उठाने का प्रयास करें। नौकरी में लाभ मिलेगा, साझेदारी में किए गए कार्य लाभ देंगे। प्रेम और दांपत्य जीवन में टकराव हो सकता है। अपने क्रोध और वाणी को संतुलित रखें अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता है। परिवार के वरिष्ठों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। यात्रा करते समय सावधानी रखें।

**मकर** : सप्ताह सामान्य है, किंतु किसी से वाद-विवाद हो सकता है, अतः धैर्य रखें। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। दांपत्य में चल रहा टकराव दूर होगा। आपसी प्रेम बढ़ेगा। आपको कोई नया प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है। नौकरी-व्यवसाय सामान्य रहेंगे। धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलेंगे। भूमि, संपत्ति खरीदने के योग हैं।

**कुंभ** : समय लाभदायक है। अटके हुए कार्य पूरे होंगे किंतु आर्थिक लेनदेन करते समय सावधानी रखें। धन संबंधी किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते समय सावधानी रखें। नौकरी में लाभ, व्यापार में उन्नति होगी। पारिवारिक, दांपत्य जीवन सामान्य रहेगा। नए कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

**मीन** : सप्ताह शुभ है। आर्थिक, पारिवारिक, सामाजिक जीवन के लिए समय शुभ है। कोई सम्मान, उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। नौकरी में उन्नति, व्यापार में लाभ होगा। नए कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। संपत्ति, वाहन सुख की प्राप्ति संभव है। भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार के मांगलिक प्रसंग में शामिल होंगे। नया प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है। मित्रों से मेलजोल होगा। यात्राएं संभव है।

# चुटकुले

पप्पू- पांच रुपये का नोट फट गया है
चप्पू- तो क्या समस्या है चिपका लो
पप्पू- टेप भी 5 रुपये की है और
फेवीक्विक भी 5 रुपये की क्या करूं?
पप्पू की बात सुनकर चप्पू जोर- जोर से हंसने लगा।

रामू- डॉक्टर साहब क्या आप मेरी बीमारी का पता लगा सकते हैं?
डॉक्टर- हां, तुम्हारी आंखें बहुत कमजोर हैं।
रामू- इतनी जल्दी आपको कैसे पता चला?
डॉक्टर- तुमने बाहर बोर्ड पर नहीं पढ़ा कि मैं जानवरों का डॉक्टर हूं।

खूबसूरत लड़की के मुंह में थर्मा मीटर रख डॉक्टर बोला -कुछ देर तक चुपचाप रहना है...थोड़ी दूर खड़ा लड़की का बॉयफ्रेंड इस बात को सुन रहा था।
एक मिनट बाद जब थर्मा मीटर बाहर आया तब लड़का बोला- यह कितने की चीज़ है और कहां मिलती है।

साली- जीजा जी दो किलो मटर ले लूं?
जीजा- हां, ले लो जो ठीक लग रहा है कर लो,
साली- जीजा जी मैं राय नहीं मांग रही आपकी, पूछ रही हूं कि छील लेंगे ना या फिर कम लूं...

पत्नी - तुम कोई भी काम ढंग से नहीं करते हो?
चिंटू - अब क्या हुआ? क्या कर दिया ऐसा मैंने?
पत्नी - तुमने जो कल cylinder लगाया था...
पति (चिंटू) - हां लगाया था
पत्नी - पता नहीं कैसे लगाया,
कल से दो बार दूध उबला, दोनों बार ही फट गया...
अब आप भी बताओ इसमें चिंटू की क्या गलती है।

# सोनिया मेयर्स द्वरा मेड इन इंडिया, स्वदेशी फैशन रनवे और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारत पुरस्कार का भव्य आयोजन

मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा, आईपीएस कृष्ण प्रकाश, संदीप सोपारकर, डीजे अकबर सामी, फ़िल्म अभिनेत्री पूनम झावर को मिला पुरुस्कार मुम्बई के जुहू मिलेनियम क्लब में सोनिया मेयर्स ने मेड इन इंडिया, स्वदेशी फैशन रनवे सीजन ७ और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारत पुरस्कार का सफल और भव्य आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के भाई के पोते डॉ एपीजेएमजे शेख सलीम थे। शेख सलीम अब्दुल कलाम के बड़े भाई एपीजे मारकय्यर के बेटे हैं। उनके हाथों ही तमाम अवार्डी को ट्रॉफी दी गई। इस अवसर पर सेलेब्रिटी गेस्ट्स में कोरियोग्राफर संदीप सोपारकर, डीजे अकबर सामी, फ़िल्म अभिनेत्री पूनम झावर मौजूद थीं। सम्मानित मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा, आईपीएस कृष्ण प्रकाश सहित कई शीर्ष सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में यह पुरस्कार समारोह का आयोजन हुआ। सबसे पहले कलाकारों ने भरतनाट्यम पेश किया। फिर विशेष अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके प्रोग्राम की शुरुआत की। स्पेशल गेस्ट्स को शॉल देकर सम्मानित किया गया।शो की ऑर्गनाइजर सोनिया मेयर्स ने कहा कि कलाम के ग्रैंड सन यहां आए हमारे लिए बड़ी बात है। हमारे लिए गर्व का लम्हा रहा, किसी अवार्ड फंक्शन

के लिए पहली बार वह महाराष्ट्र आए। कलाम को सलाम। भले ही कलाम साहब का शरीर हमारे पास नहीं है मगर उनकी सोच, उनकी विचारधारा, उनकी याद हमेशा हमारे साथ है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। डीजे अकबर सामी भी मेरे एक कॉल पर आ गए। सभी विशिष्ट अतिथियों का दिल से शुक्रिया।सोनिया मेयर्स ने बताया कि स्वदेशी फैशन रनवे का एजेंडा एक क्रांतिकारी सोच के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है।गरीबी रेखा से नीचे के बुनकरों, युवाओं, विधवाओं, ट्रांसजेंडर के लिए काम के अवसर पैदा करना है।मेड इन इंडिया स्वदेशी रनवे फैशन शो बहुत शानदार हुआ। ऐक्टर अभिजीत लाहिरी और अलीज़ा खान, पूनम झावर और रिद्धिमा पाई इस शो कि शो स्टॉपर रहीं। सबसे पहले मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा, आईपीएस कृष्ण प्रकाश को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम भारत पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार से आईपीएस अमिताभ गुप्ता, श्री रवींद्र भाकर, डॉ नितिश् भारद्वाज, संदीप सोपारकर, उदित नारायण, कमल घिमिरे,टेरेस लुईस, शिबानी कश्यप, डीजे अकबर सामी, अभिनेता मंगेश देसाई, श्रीमती पूजाश्री झावर, श्रीमती मधु सिंह, श्री जहीर दरबार, डॉ प्राची शिंदे, सुश्री राज लक्ष्मी चव्हाण, श्रीमती उषा बाजपेयी, श्रीमती सेजल रे, डॉ पूर्णिमा कुलकर्णी, श्रीमती अनिंदिता चौधरी, श्री मोहन नायर, श्रीमती आरती हेमेन कपाड़िया, श्रीमती सैंड्रा डिसूजा राणा, लेफ्टिनेंट कर्नल सलिल जैन, श्री अमित मेधेकर, सुश्री स्वप्नोकल दासगुप्ता, डॉ संध्या पुरेचे, श्री परितोष सेठ, श्री अभिषेक बनर्जी, सुश्री प्राची वैभव आरुडे, श्री रेहान शाह, श्री जयेश मोहनलाल ओसवाल, श्री विक्रांत आचरेकर, सुश्री प्रीति सूरज पाटिल, ओजस रजानी, श्री टी सतीश कुमार आईडीएएस, श्री विशाल दयाराम महाडिक, समीर दाते और दीपाली दाते, बॉलीवुड के वरिष्ठ फोटोग्राफर रमाकांत मुंडे को नवाजा गया। हॉस्पिटैलिटी पार्टनर गोल्डफिंच होटल और ओटीटी पार्टनर वेलवेट क्रिस वीडियो रहे। मीडिया प्रोमोशन्स की जिम्मेदारी मुंडे मीडिया पीआर के रमाकांत मुंडे ने बखूबी निभाई।

# जांच आयोग ने प्रकाश अंबेडकर को 27 मार्च को पेश होने के लिए कहा, 2018 में हुई थी हिंसा

कोरेगांव-भीमा जांच आयोग ने शुक्रवार को वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर को महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक युद्ध स्मारक पर जनवरी 2018 में हुई हिंसा के संबंध में अपना बयान दर्ज कराने के लिए 27 मार्च को पेश होने के लिए कहा। आयोग की ओर से पेश अधिवक्ता आशीष सतपुते ने दो सदस्यीय पैनल के समक्ष पूर्व राज्यसभा सांसद की व्यक्तिगत उपस्थिति की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था।पैनल ने 2018 में प्रमुख राजनीतिक नेताओं को नोटिस जारी किए थे न्यायिक आयोग को हिंसा की जांच करने का काम सौंपा गया था। पैनल ने 2018 में प्रमुख राजनीतिक नेताओं को नोटिस जारी कर उनसे इसके सामने पेश होने और भविष्य में हिंसक घटनाओं से बचने के उपाय सुझाने का अनुरोध किया था। हालांकि, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार को छोड़कर किसी भी राजनीतिक नेता ने नोटिस का जवाब नहीं दिया। पैनल ने कहा कि प्रमुख दलित नेता अंबेडकर अगर चाहें तो हलफनामा भी दाखिल कर सकते हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश जेएन पटेल और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव सुमित मलिक का दो सदस्यीय आयोग उन परिस्थितियों की जांच कर रहा है, जिन्होंने दंगों को भड़काया। 2018 में भड़की थी हिंसा पुणे पुलिस के अनुसार, 1 जनवरी, 2018 को कोरेगांव भीमा की 1818 की लड़ाई की द्विशताब्दी वर्षगांठ के दौरान युद्ध स्मारक के पास जाति समूहों के बीच हिंसा भड़क उठी थी। दलित संगठन लड़ाई में पुणे के पेशवाओं पर ईस्ट इंडिया कंपनी की जीत का जश्न मनाते हैं क्योंकि कुछ ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, ब्रिटिश सेना में मुख्य रूप से उत्पीड़ित महार समुदाय के सैनिक शामिल थे। हालांकि, कुछ दक्षिणपंथी संगठनों ने जश्न का विरोध किया था, जिसके कारण हिंसा हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य, जिनमें 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

# प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश और पूर्व केंद्रीय मंत्री के निधन पर जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश एएम अहमदी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यब्रत मुखर्जी के निधन पर शोक व्यक्त किया। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष रह चुके सत्यब्रत मुखर्जी का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 90 साल थी। राजनीति में आने से पहले वह अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भी रहे। मुखर्जी ने 1999 में लोकसभा चुनाव में कृष्णानगर सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। वह वाजपेयी सरकार में रसायन और उर्व रकराज्य मंत्री रहे। 2008 से अक्तूबर 2009 तक वह भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष रहे थे। इससे एक दिन पहले गुरुवार को भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एएम अहमदी का भी निधन हो गया था। अहमदी वर्ष 1994 से 1997 तक मुख्य न्यायाधीश रहे।

# ओएनजीसी के सहयोग से आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के द्वारा मुम्बई में मुफ्त महाआरोग्य शिविर, मुख्य अतिथि पेट्रोलियम राज्य मंत्री रामेश्वर तेली रहे मौजूद

## हजारों की संख्या में मरीजों ने लिया लाभ, 12 लाख की दवाएं वितरित की गईं

मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा, आईपीएस कृष्ण प्रकाश, संदीप सोपारकर, डीजे अकबर सामी, फ़िल्म अभिनेत्री पूनम झावर को मिला पुरुस्कार मुम्बई के जुहू मिलेनियम क्लब में सोनिया मेयर्स ने मेड इन इंडिया, स्वदेशी फैशन रनवे सीजन ७ और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारत पुरस्कार का सफल और भव्य आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के भाई के पोते डॉ एपीजेएमजे शेख सलीम थे। शेख सलीम अब्दुल कलाम के बड़े भाई एपीजे मारकय्यर के बेटे हैं। उनके हाथों ही तमाम अवार्डी को ट्रॉफी दी गई। इस अवसर पर सेलेब्रिटी गेस्ट्स में कोरियोग्राफर संदीप सोपारकर, डीजे अकबर सामी, फ़िल्म अभिनेत्री पूनम झावर मौजूद थीं। सम्मानित मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा, आईपीएस कृष्ण प्रकाश सहित कई शीर्ष सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में यह पुरस्कार समारोह का आयोजन हुआ। सबसे पहले कलाकारों ने भरतनाट्यम पेश किया। फिर विशेष अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके प्रोग्राम की शुरुआत की। स्पेशल गेस्ट्स को शॉल देकर सम्मानित किया गया।शो की ऑर्गनाइजर सोनिया मेयर्स ने कहा कि कलाम के ग्रैंड सन यहां आए हमारे लिए बड़ी बात है। हमारे लिए गर्व का लम्हा रहा, किसी अवार्ड फंक्शन के लिए पहली बार वह महाराष्ट्र आए। कलाम को सलाम। भले ही कलाम साहब का शरीर हमारे पास नहीं है मगर उनकी सोच, उनकी विचारधारा, उनकी याद हमेशा हमारे साथ है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। डीजे अकबर सामी भी मेरे एक कॉल पर आ गए। सभी विशिष्ट अतिथियों का दिल से शुक्रिया।सोनिया मेयर्स ने बताया कि स्वदेशी फैशन रनवे का एजेंडा एक क्रांतिकारी सोच के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है। गरीबी रेखा से नीचे के बुनकरों, युवाओं, विधवाओं, ट्रांसजेंडर के लिए काम के अवसर पैदा करना है।मेड इन इंडिया स्वदेशी रनवे फैशन शो बहुत शानदार हुआ। ऐक्टर अभिजीत लाहिरी और अलीज़ा खान, पूनम झावर और रिद्धिमा पाई इस शो कि शो स्टॉपर रहीं। सबसे पहले मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा, आईपीएस कृष्ण प्रकाश को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम भारत पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार से आईपीएस अमिताभ गुप्ता, श्री रवींद्र भाकर, डॉ नितिश् भारद्वाज, संदीप सोपारकर, उदित नारायण, कमल घिमिरे, टेरेस लुईस, शिबानी कश्यप, डीजे अकबर सामी, अभिनेता मंगेश देसाई, श्रीमती पूजाश्री झावर, श्रीमती मधु सिंह, श्री जहीर दरबार, डॉ प्राची शिंदे, सुश्री राज लक्ष्मी चव्हाण, श्रीमती उषा बाजपेयी, श्रीमती सेजल रे, डॉ पूर्णिमा कुलकर्णी, श्रीमती अनिंदिता चौधरी, श्री मोहन नायर, श्रीमती आरती हेमेन कपाड़िया, श्रीमती सैंड्रा डिसूजा राणा, लेफ्टिनेंट कर्नल सलिल जैन, श्री अमित मेधेकर, सुश्री स्वप्नोकल दासगुप्ता, डॉ संध्या पुरेचे, श्री परितोष सेठ, श्री अभिषेक बनर्जी, सुश्री प्राची वैभव आरुडे, श्री रेहान शाह, श्री जयेश मोहनलाल ओसवाल, श्री विक्रांत आचरेकर, सुश्री प्रीति सूरज पाटिल, ओजस रजानी, श्री टी सतीश कुमार आईडीएएस, श्री विशाल दयाराम महाडिक, समीर दाते और दीपाली दाते, बॉलीवुड के वरिष्ठ फोटोग्राफर रमाकांत मुंडे को नवाजा गया। हॉस्पिटैलिटी पार्टनर गोल्डफिंच होटल और ओटीटी पार्टनर वेलवेट क्रिस वीडियो रहे। मीडिया प्रोमोशन्स की जिम्मेदारी मुंडे मीडिया पीआर के रमाकांत मुंडे ने बखूबी निभाई।

## जीबीएल ने स्वीकार की सभी मांगे

# संगठनों द्वारा एकजुट होकर जीबीएल के खिलाफ छेड़े आंदोलन में एकता और सत्य की हुई जीत : शंकर ठक्कर

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री शंकर ठक्कर ने बताया पिछले कई समय से गणेश बेंजोप्लास्ट लिमिटेड के इंस्टॉलेशन जहां पर आयाति खाद्य तेल, इथेनॉल, लुब्रिकेंट,केमिकल इत्यादि पदार्थ का भंडारण कर पूरे देश में वितरित किया जाता है द्वारा तोल माप में गड़बड़ियां करना टैंकर भरने वक्त परेशान कर "उगाही" करना जैसे कई कारणों के चलते व्यापारी ,ट्रांसपोर्टर, एवं दलाल सभी जीबीएल से परेशान थे और पिछले 17 फरवरी को बड़ी मात्रा में तोल माप में की गई गड़बड़ि के बाद संगठित होकर इस अन्याय के खिलाफ आंदोलन करने का मन बना लिए। आंदोलन करने से पूर्व वार्ता लापकर एवं मेल के द्वारा भी इन परेशानियों के बारे में अवगत कराया था लेकिन सामने की तरफ से कोई भी जवाब या ठोस कार्रवाई का भरोसा न मिलने पर आंदोलन की भूमिका तय करने के लिए अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ की अगुवाई में एक बैठक शिवडी में आयोजित की गई थी जहां पर महाराष्ट्र टैंक लोरी ओनर्स एसोसिएशन, खाद्य तेल टैंकर ओनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने सहमति के साथ इस अन्याय के खिलाफ आंदोलन करने का मन बनाकर रणनीति तय की गई।हमने दिनांक 1 मार्च से हड़ताल करने से पूर्व भी जीबीएल के सीएमडी एवं पदाधिकारियों को मेल के द्वारा इस के बारे में अवगत कराया लेकिन कोई भी जवाब न मिलने पर कल दिनांक 1 मार्च से हड़ताल शुरू कर दी और कोई भी टैंकर लोड होने के लिए नहीं आया।आगे कहा आखिरकार दोपहर 2:00 बजे के करीब जेबीएल के जनरल मैनेजर निहाते ने तीनों संगठनों के पदाधिकारियों को चर्चा के लिए आमंत्रित किया। संगठनों द्वारा इस बैठक में रखी गई सभी मांगे मान लेने के बाद संगठनों ने अपना आंदोलन वापस लिया। यह हमारे संगठन की एकता और सत्य की विजय है।महाराष्ट्र टैंक लॉरी ओनर्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष विजय सिंह ने कहा हमारी मांगे स्वीकार होने से तीनों संगठनों के सभी सदस्यों में खुशी की लहर फैल गई। यह एकजुटता से संभव हुआ है।आगे भी हम सब संगठित रहकर कोई भी परेशानी आने पर उसका मुकाबला करेंगे।महासंघ के महामंत्री तरुण जैन ने सभी सदस्यों को धन्यवाद एवं अभिनंदन देते हुए कहा अपने संगठन के पदाधिकारियों पर विश्वास जताया इसलिए आज हमें सफलता हासिल हुई है आगे भी इसी प्रकार एक साथ मिलकर काम करेंगे जिससे कितनी भी बड़ी चुनौती का मुकाबला कर सकेंगे।खाद्य तेल टैंकर ऑनर्स एसोसिएशन के सुभाष भाई ने कहा हमारे शास्त्रों में लिखा है "सगठने शक्ति कलियुगे"जो मंत्र आज चरितार्थ हुआ है। यह विजय का सेहरा हमारे तीनों संगठन की अगुवाई कर रहे श्री शंकर ठक्कर के सर पर है क्योंकि उनके द्वारा बनाई गई रणनीति एवं मार्गदर्शन से यह संभव हुआ है इसके लिए हम तहे दिल से उनके आभारी हैं।

**अखिल भारतीय खाद्यतेल व्यापारी महासंघ**
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री शंकर ठक्कर
८६५५५००६००
:महाराष्ट्र टैंक लोरी ऑनर्स एसोसिएशन
अध्यक्ष : श्री गुरमीत सिंघ
८०८०८०३९९
कोषाध्यक्ष:श्री विजयप्रताप सिंघ
८६५२३८३८३८
:खाद्यतेल टैंकर ओनर एसोसिएशन
अध्यक्ष : श्री सुभाष ठक्कर
९८२११६०५१९

# महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष ने सदस्यों समेत की महाराष्ट्र के राज्यपाल से भेंट

**सीताराम मेवाती - मुंबई**

महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष और सभासदों ने नवनियुक्त महाराष्ट्र के राज्यपाल महामहिम रमेश बैस से उनके शासकीय आवास मलाबार हिल स्थित राज भवन में शिष्टाचार भेंट की. इस भेंट में लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष किशोर राजे निंबालकर ने राज्यपाल को पुष्प गुच्छ दे कर स्वागत किया. इस समय आयोग के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे जिनमे डॉ देवानंद शिंदे, डॉ प्रतापराव दीघावकर, डॉ दिलिप पांदरपट्टे और डॉ अभय वाघ आदि थे.

ज्ञात हो कि नवनियुक्त राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट करने की राज्य के मुख्यमंत्री सहित राज्य के लगभग सभी महत्वपूर्ण विभाग केमुखिया को मिलने की सदैव से प्रथा रही है. इन प्रमुख पद में राज्य के मुख्य सचिव से लेकर पुलिस महानिदेशक एवं विश्वविद्यालय केउपकुलपति सम्मिलित हैं.

रमेश बैस ने 18 फरवरी 2023 को राजभवन में 22वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली.

बॉम्बे हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस. वी. गंगापुरवाला ने रमेश बैस को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी. यहाँ उल्लेखनीय है कि रमेश बैस ने मराठी में शपथ ली.

शपथग्रहण समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद रहे. बता दें कि इससे पहले महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी थे.

# कैम्ब्रिज में राहुल बोले- चीन सद्भावना की बात करता है; भाजपा बोली- कांग्रेस-चाइना भाई-भाई'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी हाल ही में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में एमबीए छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह आरोप लगाया कि उनके फोन की जासूसी होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत को बर्बाद कर रहे हैं और भारत में लोकतंत्र पर प्रहार हो रहा है। अब उनका एक और बयान सामने आया है, जिसमें वे चीन की तारीफ कर रहे हैं।राहुल का बयान क्या है? एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें एक तरफ राहुल गांधी हैं और दूसरी तरफ एक स्लाइड नजर आ रही है, जो कथित तौर पर राहुल के दिए प्रेजेंटेशन का हिस्सा बताई जा रही है। इस स्लाइड में चीन के संदर्भ में 'फोर्स ऑफ नेचर' और 'एस्पायरिंग सुपरपावर' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। इस प्रेजेंटेशन के दौरान राहुल गांधी ने चीन के संदर्भ में एमबीए छात्रों को बताया, ''मैं चीन के मामले विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन मेरी उसे लेकर एक समझ है। एक तरफ अमेरिका वैयक्तिक स्वतंत्रता की बात करता है, दूसरी तरफ चीन सद्भावना को महत्व देता है। उनका विचार एक ऐसे समाज का है, जिसमें सद्भावना हो। उन्होंने सांस्कृतिक क्रांति देखी है, गृह युद्ध

देखा है, लेकिन अब चीन ऊर्जा की बात करता है, प्रक्रिया की बात करता है।'' राहुल पर भाजपा हुई हमलावर, कहा- आपको तो बेबुनियाद आरोप लगाने की भी आजादी है भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, ''राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं, भारत और भारत की जनता का अपमान करते हैं। वे भारत की संस्थाएं जैसे सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग, मीडिया, सभी की आलोचना करते हैं। आपने मोदी जी के खिलाफ अनर्गल आरोप लगाए। आप भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर हैं, फिर भी आपको बेबुनियाद आरोप लगाने की आजादी है या नहीं? लेकिन आप विदेश जाकर भारत का अपमान करें, ये राजनीतिक शिष्टाचार नहीं है।'' 'राहुल चीन को सद्भावना का प्रतीक बता रहे' उन्होंने कहा, ''विदेशी सरजमीं पर भारत की आलोचना न करें। राहुल गांधी जब-जब विदेश जाते हैं, यही करते हैं। वे चीन को सद्भावना का प्रतीक बता रहे हैं। आज देश राहुल गांधी के सही चेहरे को देखे कि कैसे वे भारत में संस्थाओं का अपमान करते हैं और विदेश में जाकर भारत की जनता अपमान और चीन का गुणगान करते हैं।

# SPORTS खेल जगत

## एल्ड्रिन ने 8.42 मीटर की कूद लगाई, पुरुष लंबी कूद का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

**बानीहाटी (कर्नाटक)।** तमिलनाडु के जेस्विन एल्ड्रिन ने गुरूवार को यहां दूसरी एएफआई राष्ट्रीय कूद प्रतियोगिता में पुरूषो की लंबी कूद स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इक्वीस साल के इस एथलट ने 8.42 मीटर की कूद लगाई और एम श्रीशंकर के पिछले साल अप्रैल में फेडरेशन कप में बनाए गए 8.36 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पिछले महीने अस्ताना में एशियाई इंडोर चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले एल्ड्रिन एकमात्र प्रतिस्पर्धी थे जो आठ मीटर की कूद लगा पाए।

## श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की टीम में कोई बदलाव नहीं

**क्राइस्टचर्च।** न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ स्वदेश में होने वाली दो टेस्ट श्रृंखला के लिए उस टीम में कोई बदलाव नही किया है जिसने हाल में वेलिंगटन में दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को एक रन से हराया। न्यूजीलैंड ने रोमांचक दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को एक रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला।-। से बराबर की। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने नौ मार्च से शुरू हो रही श्रृंखला के लिए टिम साउथी की अगुआई में 13 सदस्यीय टीम का चयन किया है जिसमे कोई हैरानी भरा नाम नही है।

## एसीएफ ने ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार से नवाजा

अबुधाबी, दो मार्च (भाषा) एशियाई शतरंज महासंघ (एसीएफ) ने भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को पिछले साल महाबलीपुरम में 44वे शतरंज ओलंपियाड में रिकॉर्ड स्कोर (9।।) से स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया। पिछले साल मार्च में गुकेश 2700 ईएलओ रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले छठे भारतीय बने थे और वह 2700 से ऊपर की रेटिंग वाले देश के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर भी है।

## आर्सेनल ने बढ़त मजबूत की, मैनचेस्टर और ग्रिम्सबी एफए कप के अंतिम आठ में

**मैनचेस्टर।** आर्सेनल ने प्रीमियर लीग खिताब की दौड़ में बुधवार को अपनी स्थिति मजबूत की तो वही मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाते हुए सत्र की दूसरी ट्रॉफी की ओर कदम बढ़ाए। सबसे बड़ा जश्न मनाने का मौका हालांकि ग्रिम्सबी टाउन के प्रशंसको को मिला जब चौथे डिविजन के इस क्लब ने प्रीमियर लीग क्लब साउथम्पटन को 2-। से हराकर उलटफेर करते हुए एफए कप के अंतिम आठ में जगह बनाई।

## जोकोविच दुबई में जीते

**दुबई।** दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां टेलोन ग्रीक्सपूअर को सीधे सेटो में हराकर दुबई चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने ग्रीक्सपूअर को 6-2 6-3 से हराकर लगातार 19वी जीत दर्ज की।

## मुनार ने मुसेटी को हराकर चिली ओपन से बाहर किया

**सेंटियागो (चिली)।** स्पेन के जेउमे मुनार ने यहां चिली ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीय लोरेंजो मुसेटी को सीधे सेट में हराकर उलटफेर करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इटली के दुनिया के 18वे नंबर के खिलाड़ी मुसेटी के खिलाफ मुनार ने 6-4 6-4 से जीत दर्ज की।

# भारतीय बल्लेबाजों से प्रशंसक निराश

## कई दर्शक दिन का खेल खत्म होने से पहले ही बाहर निकले

**बॉर्डर-गावस्कर** ट्रॉफी स्पर्धा के तहत इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेले जा रहे तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की फिरकी के आगे नाकाम भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर दर्शकों ने बृहस्पतिवार को गहरी निराशा जताई। चश्मदीदों ने बताया कि टेस्ट मैच के पहले दिन के मुकाबले दूसरे दिन होलकर स्टेडियम में वैसे ही कम भीड़ थी और भारतीय बल्लेबाजों के एक के बाद एक विकेट गिरने से कई दर्शक निराश होकर दिन का खेल खत्म होने से पहले ही बाहर निकलते देखे गए। बैतूल जिले से अपने एक दोस्त के साथ टेस्ट मैच देखने आए राहुल लोखंडे ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम बस से बड़ी दूर से मैच देखने आए थे, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने बहुत निराशाजनक प्रदर्शन किया और हमारे टिकट की रकम वसूल नहीं हुई। दो ही दिन में टेस्ट मैच खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। लगता है कि तीसरे दिन (शुक्रवार) मैच एक घंटे ही चल सकेगा। इसलिए हम आज (बृहस्पतिवार) ही अपने गांव लौट रहे हैं। रतलाम से टेस्ट मैच देखने आए संजय पुरोहित ने कहा, हमें खासकर विराट कोहली से अच्छी बल्लेबाजी की बड़ी अपेक्षाएं थीं जो पूरी नहीं हो सकीं। लगता है कि तीसरे दिन ही टेस्ट मैच का नतीजा आ जाएगा। भोपाल में पढ़ रहे युवा विद्यार्थी ऋषभ गुप्ता भी उन दर्शकों में शामिल हैं जो दिन का खेल खत्म होने से पहले ही होलकर स्टेडियम से बाहर निकल गए। गुप्ता ने कहा, हमें लगा था कि कप्तान रोहित शर्मा या विराट कोहली में से कोई न कोई बल्लेबाज अच्छा खेलेगा, लेकिन भारत की दोनों पारियों में हम बल्लेबाजों से बेहद निराश हुए। होलकर स्टेडियम से बाहर निकले एक अन्य दर्शक सुविप्र नेमा ने कहा, हमें मैच में जरा भी मजा नहीं आया क्योंकि ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों ने बेहद खराब बल्लेबाजी की। हमें बस चेतेश्वर पुजारा को बल्लेबाजी करते देखना अच्छा लगा।

## रन कम है, इस विकेट पर कुछ भी हो सकता है: उमेश

**इंदौर।** ऑस्ट्रेलिया को भारत में यादगार जीत दर्ज करने के लिए यहां तीसरे टेस्ट में सिर्फ 76 रन का लक्ष्य मिला है लेकिन पिच की प्रकृति को देखते हुए मेजबान देश के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने अब भी उम्मीद नही छोड़ी है। पहले दिन इस पिच पर 14 विकेट गिरे जबकि गुरुवार को दूसरे दिन 16 बल्लेबाज आउट हुए। पिच से स्पिनरो को काफी टर्न मिल रहा है जबकि असमान उछाल ने बल्लेबाजो की मुश्किले और बढ़ा दी है। उमेश ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने पर्याप्त रन नही बनाए लेकिन फिर भी उनकी टीम के पास मौका रहेगा। गुरुवार सुबह तीन विकेट चटकाकर ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को जल्द समेटने में अहम भूमिका निभाने वाले उमेश ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे और स्टीक लाइन और लेथ से गेंदबाजी करेंगे। यह आसान विकेट नही है, फिर चाहे बल्लेबाज हमारे हो या उनके। क्रीज से बाहर निकलकर शॉट खेलना आसान नही है। उन्होंने कहा, गेंद नीची भी रह रही है इसलिए आप क्रीज से बाहर निकलने को लेकर सुनिश्चित नही होते। रन कम है लेकिन हम सटीक लाइन पर गेंदबाजी करेंगे और जितना अधिक हो सकते मुकाबले को आगे तक खीचेंगे।

## बल्लेबाजी के लिए कठिन पिच, अपने डिफेंस पर भरोसा करना होगा: पुजारा

**इंदौर।** तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाने वाले एकमात्र भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने होलकर स्टेडियम की पिच को बल्लेबाजी के लिए कठिन करार देने में कोई हिचकिचाहट नही दिखाई। पुजारा ने एक बार फिर गजब का जज्बा दिखाते हुए 142 गेंदो में 59 रन की पारी खेली। लेकिन नाथन लियोन ने उनकी पारी का अंत किया। उन्होने कहा, बल्लेबाजी के लिए यह मुश्किल पिच है। यह आसान नही है, आपको अपने डिफेंस पर भरोसा करने की जरूरत है। सुनिश्चित करे कि अगर शार्ट गेंद है तो बैकफुट पर खेले। भारत की दूसरी पारी में से करीब आधे रन पुजारा ने बनाए जिससे टीम की 75 रन की बढ़त सुनिश्चित हुई। लियोन के 64 रन पर आठ विकेट से भारतीय टीम दूसरी पारी में 163 रन पर सिमट गई। पुजारा ने दिन का खेल खत्म होने के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा, हो सकता है कि 75 रन ज्यादा नही हो, लेकिन मौका है। इस ट्रैक पर रणनीति के बारे में पूछे जाने पर पुजारा ने कहा, आपको इस पिच पर आक्रमण करने के अलावा रक्षात्मक होकर खेलना होगा, दोनो का मिश्रण अपनाना होगा।

# दिल्ली कैपिटल्स ने मेग लैनिंग को कप्तान और जेमिमा रोड्रिग्स को उप कप्तान बनाया

**आस्ट्रेलिया की** विश्व कप विजेता कप्तान मेग लैनिंग महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के शुरूआती चरण में दिल्ली कैपिटल्स की अगुआई करेंगी जबकि भारत की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स उप कप्तान की जिम्मेदारी उठाएंगी। फ्रेंचाइजी ने गुरूवार को यह घोषणा की। लैनिंग (30 वर्ष) ने हाल में अपनी कप्तानी में आस्ट्रेलियाई महिला टीम को दक्षिण अफ्रीका में आईसीसी टी20 महिला विश्व कप 2023 में रिकॉर्ड छठा खिताब दिलाया था जिसमें उन्होंने फाइनल में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को हराया था। वहीं जेमिमा ने भारतीय अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी जो सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया से हारकर खत्म हुआ था। इस तरह डब्ल्यूपीएल टीमों द्वारा

तीसरी आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई। यूपी वारियर्स ने एलिसा हीली को कप्तान बनाया है और बेथ मूनी गुजरात जायंट्स की अगुआई के लिए तैयार हैं। डब्ल्यूपीएल चार मार्च शनिवार से शुरू हो रहा है और लैनिंग ने गुरूवार सुबह मुंबई में पहुंचने के बाद यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद कहा, यह मेरे लिए बहुत ही गर्व का क्षण है।

## हम प्रत्येक मैच में अलग अलग विदेशी खिलाड़ियों को खिलाएंगे: आरसीबी कोच

**मुंबई।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) महिला टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने स्पष्ट कहा कि शनिवार से शुरू हो रही आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दौरान बड़े खिलाड़ियों को रोटेट किया जाएगा जिसमें एलिस पैरी, मेगान शट, हीथर नाइट और डेन वान निकर्क शामिल हैं। इन चार बड़ी क्रिकेटरों के अलावा आरसीबी ने न्यूजीलैंड की महान खिलाड़ी सोफी डेविने और डब्ल्यूबीबीएल स्टार एरिन बर्न्स को भी लिया है। सॉयर ने स्वीकार किया कि उनके पास मैच में खिलाने के लिए काफी विकल्प हैं। यह पूछने पर उनकी शीर्ष चार विदेशी खिलाड़ी कौन सी होंगी तो न्यूजीलैंड महिला टीम के मौजूदा कोच सॉयर ने सीधे जवाब नहीं दिया। , सभी छह खिलाड़ी एक भूमिका निभाएगी। हम पहले छह दिन में चार मैच खेलेंगे। हम अलग अलग टीमों के खिलाफ अलग अलग खिलाड़ी उतारेंगे और मैं भाग्यशाली हूं कि हमारे पास कई खिलाड़ी मौजूद हैं। सॉयर ने कहा, पूरे टूर्नामेंट में हमसे वही चार खिलाड़ियों को खिलाने की उम्मीद मत रखना। हमारे पास कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं वाली खिलाड़ी शामिल हैं।

## सीएसके आईपीएल के लिए शुक्रवार से शहर में लगाएगा तैयारी शिविर

**चेन्नई।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की चार बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स टूर्नामेंट के आगामी चरण के लिए शुक्रवार से एम ए चिदम्बरम स्टेडियम में तैयारी शिविर की शुरूआत करेगी। सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के शुक्रवार को शहर पहुंचने की उम्मीद है और वह टीम के कई भारतीय सदस्यों क साथ शिविर का हिस्सा होंगे। सीएसके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएस विश्वनाथन ने गुरूवार को कहा, सीएसके कल से ट्रेनिंग शुरू करेगी। धोनी कल पहुंचेंगे। भारतीय टीम के सदस्य शिविर में हिस्सा लेंगे।

## मुझे नहीं लगता कि आईपीएल से स्टोक्स की एशेज में वापसी खतरे में पड़ेगी: मैकुलम

**वेलिंगटन।** इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बेन स्टोक्स की एशेज वापसी खतरे में नहीं पड़ेगी और उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की मेडिकल टीम पर इस प्रमुख ऑलराउंडर की देखभाल करने का भरोसा जताया। बार-बार उभरने वाली बाएं घुटने की चोट से जूझने वाले इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में केवल नौ ओवर गेंदबाजी की। वह यहां दूसरे टेस्ट में अपनी 33 रन की पारी के दौरान भी दर्द में दिखे। इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार का सामना करना पड़ा। एसपीएनक्रिकइंफो ने मैकुलम के हवाले से कहा, मुझे नहीं लगता कि वह (आईपीएल खेलकर) इसे खतरे में डाल रहे हैं। चेन्नई का ढांचा अपने खिलाड़ियों की देखभाल करने के मामले में उत्कृष्ट है और उनके पास एक बहुत अच्छी चिकित्सा टीम है और उनकी अच्छी देखभाल की जाएगी। उन्होंने कहा, कप्तान मानसिक रूप से काफी मजबूत है और वह जानता है कि बड़े पलों के लिए कैसे सही होना है।

## आरसीबी क्रिकेट प्रतिभाओं को तलाशने के लिए एआई का भी सहारा लेगा: हेसन

**मुंबई।** आरसीबी के क्रिकेट निदेशक माइक हेसन ने गुरूवार को कहा कि उनकी महिला टीम के लिए वे देश के कोने कोने से प्रतिभाओं को तलाशने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का सहारा लेंगे। टीम प्रबंधन प्रतिभाशाली प्रतिभाओं की तलाश के लिए स्काउट्स भेजने के अलावा एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) का सहारा भी लेगा। हेसन ने महिला प्रीमियर लीग से पहले आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमारे पास आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस प्रणाली है और हमें लगता है कि नियमित स्काउट्स भेजने के साथ हमें एआई से भी मदद मिलेगी।

## रबाडा के छह विकेट दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट में हराया

**सेंचुरियन।** दक्षिण अफ्रीका ने गुरूवार को यहां तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा (50 रन देकर छह विकेट) के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट में तीसरे दिन 87 रन से शिकस्त दी। रबाडा के छह विकेट से वेस्टइंडीज की टीम जीत के लिए 247 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 159 रन पर सिमट गई। उसके लिए ब्लैकवुड की 79 रन की पारी भी काम नहीं आ सकी। इससे दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में।-0 से बढ़त बना ली। तेज गेंदबाजों के मुफीद सेंचुरियन की पिच पर अप्रत्याशित उछाल मिल रहा था। तीसरे दिन 16 विकेट गिरे और दूसरे दिन अंतिम सत्र में 11 विकेट गिरे थे। वेस्टइंडीज के लिए अल्जारी ने पहली पारी और केमार रोच ने दूसरी पारी में पांच पांच विकेट झटके जबकि एनरिक नोर्किया ने पहली पारी और रबाडा ने दूसरी पारी में यह कारनामा किया। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 342 रन बनाए और वेस्टइंडीज को पहली पारी में 212 रन पर समेटकर 130 रन की बढ़त ली।

# यूपी ग्रेस जीत के साथ अंतिम आठ में

## हाकी: यूपी ब्लू की भी अगले दौर में एंट्री

**लखनऊ।** मेजबान यूपी ग्रेस ने 33वीं आल इंडिया केडी सिंह बाबू सब जूनियर बालक अंडर-14 प्राइजमनी हॉकी टूर्नामेंट में नीलगिरि हॉकी अकादमी के खिलाफ 4-0 की जीत के साथ क्वर्टरफाइनल में जगह बना ली। केडी सिंह बाबू स्मारक सोसायटी के तत्वावधान में गोमती नगर के विजयंत खंड स्थित पद्मश्री मोण् शाहिद सिंथेटिक टर्फ स्टेडियम पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में गुरुवार को लीग दौर के मुकाबले पूरे हो गए। इसमें यूपी ब्लू भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रही। टूर्नामेंट में शुक्रवार से क्वार्टरफाइनल की शुरुआत होगी। आज खेले गए मुकाबलों में पिछली विजेता फ्लिक्र्स ब्रदर्स हरियाणा ने राउंड ग्लास पंजाब को रोमांचक मैच में 3-2 से हुए अंतिम आठ में स्थान सुरक्षित किया। वही हार के बावजूद राउंड ग्लास पंजाब भी नॉकआउट में पहुंचने में सफल रही। पिछली उपविजेता यूपी ग्रेस के खिलाड़ियों ने आज भी शानदार खेल दिखाया और पूरे मैच में अपना दबदबा दबाव बनाये रखा। यूपी ग्रेस से खेल के दूसरे मिनट में ही मिले पेनाल्टी कार्नर पर धीरज यादव ने पहला गोल दागा। इसके बाद सुल्तान ने आठवे मिनट में विरोधी के डिफेंस को भेदते हुए दूसरा गोल दाग टीम की बढ़त 2.0 कर दी। मेजबान के लिए जैसन पाल ने तीसरे क्वार्टर के 44वे मिनट में मैदानी गोल दागने के बाद चौथे क्वार्टर में 5।वे मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर पर गोल दागा में बदला। अंत में यूपी ग्रेस ने 4.0 की जीत से अंतिम आठ में स्थान सुरक्षित किया।

## प्रशांत अवस्थी के कमाल से एनईआर फाइनल में

**लखनऊ।** एनईआर ने मैन ऑफ़ द मैच प्रशांत अवस्थी-3 विकेट नाबाद 38 रनद्ध के हरफनमौला खेल व दिनेश कुमार -48 की उम्दा पारी से जी20 बीबीडी सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग के दूसरे सेमीफाइनल में अखिल इंफ्रा क्रिकेट क्लब को 5 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में नार्थ ईस्टर्न रेलवे की खिताबी टक्कर आरईपीएल क्रूसेडर्स से तीन मार्च को होगी।

## डब्ल्यूटीटी कंटेंडर : मनिका और सुतिर्था राउंड 16 में

**पणजी।** भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और सुतिर्था मुखर्जी ने गुरूवार को यहां अपने से ऊंची रैंकिंग की प्रतिद्वंद्वियों को हराकर विश्व टेबल टेनिस कंटेंडर चैम्पियनशिप के अंतिम 16 चरण में प्रवेश किय। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर 20 साल के कोरियाई युवा चो डाएसियोंग के नाम रहा जिन्होंने पुरूष एकल में चीन के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी फान झेनडोंग को हराया। मनिका ने दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी पुअर्तो रिको की एड्रियाना डायज को 3-। से शिकस्त दी। भारतीय स्टार ने 11-9, 11-8, 5-11, 11-8 से जीत हासिल की। मौजूदा रैंकिंग में 146वें स्थान पर काबिज सुर्तिथा ने सुबह के सत्र में दुनिया की 18वें नंबर की फ्रांस की जिया नान युआन को 3-0 (11-7,11-8,11-7) से हराया। मनिका का सामना अब चीन की दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी कियान तियानी से होगा जबकि सुतिर्था एक और अनुभवी फु यु से भिड़ेंगी।

# यश धुल का अर्धशतक

## ईरानी ट्राफी : शेष भारत ने बनाए 484 रन

**यश धुल की तेज** अर्धशतकीय पारी से शेष भारत ने गुरूवार को यहां ईरानी ट्राफी क्रिकेट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में 484 रन का स्कोर खड़ा किया जिसके बाद फिट हुए नवदीप सैनी ने अपने तेज तर्रार पहले स्पैल से मध्य प्रदेश के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। सैनी (15 रन देकर दो विकेट) अच्छी लय में दिखे और उन्हें निर्जीव पिच से थोड़ी मदद मिली जिससे उन्होंने मध्य प्रदेश को दो झटके दिए। पर यश दूबे (नाबाद 53 रन) और हर्ष गवली (नाबाद 47 रन) के बीच चौथे विकेट के लिए 97 रन की नाबाद साझेदारी से मध्य प्रदेश की टीम स्टंप तक अपनी पहली पारी में तीन विकेट पर 112 रन बना चुकी है। ईरानी कप जैसे मैच में राष्ट्रीय चयनकर्ता आमतौर पर सिर्फ संख्या ही नहीं देखते बल्कि विशेष खिलाड़ी को विशेष उद्देश्य के लिए देखते हैं। सैनी पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पूरे रणजी सत्र में नहीं खेल पाए थे जिससे उन्हें एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में रिहैब प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। दिन के दूसरे सत्र में उन्हें गेंदबाजी पर लगाया गया और उन्होंने अपनी रफ्तार और मूवमेंट से मध्य प्रदेश के बल्लेबाजों को परेशान किया। बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार (27 रन देकर एक विकेट) ने शेष भारत को पहला विकेट दिलाया, उनकी कोण लेती गेंद पदार्पण कर रहे अरहम अकील (शून्य) को आउट कर गई। अकील विकेट के पीछे कैच आउट हुए। सैनी ने फिर अपनी गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान किया। मध्य प्रदेश के कप्तान हिमांशु मंत्री ऐसी ही एक गेंद पर दूसरी स्लिप में धुल को कैच दे बैठे।

# देश परदेश

# भारत-इटली ने रक्षा सहयोग पर नया अध्याय शुरू किया

- रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

**प्रधानमंत्री** नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और इटली ने रक्षा सहयोग पर एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने का फैसला किया है। भारत की यात्रा पर आईं इटली की प्रधानमंत्री ज्योर्जिया मेलोनी के साथ व्यापक वार्ता के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत में सह-उत्पादन और सह-विकास के क्षेत्र में नए अवसर खुल रहे हैं, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। उन्होंने कहा, इस साल भारत और इटली द्विपक्षीय संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर हमने भारत-इटली साझेदारी को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का फैसला किया है।

मोदी ने कहा कि भारत और इटली ने नियमित आधार पर दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच संयुक्त अभ्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का भी फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भारत और इटली आतंकवाद और अलगाववाद जैसे मुद्दों पर कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। मोदी ने कहा, हमने इस सहयोग को और मजबूत करने पर व्यापक चर्चा की। मोदी और मेलोनी ने भारत और इटली के बीच स्टार्ट-अप ब्रिज स्थापित करने की भी घोषणा की। मोदी ने कहा, हमने अक्षय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, सूचना और प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में इटली की सक्रिय भागीदारी का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा, यह बहुत खुशी की बात है कि इटली ने हिंद-प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने का फैसला किया है। इससे हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए ठोस विषयों की पहचान कर सकेंगे। इससे पहले, मेलोनी का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक रूप से स्वागत किया गया, क्योंकि वह राजकीय यात्रा पर यहां पहुंची थीं। मोदी ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में मेलोनी का स्वागत किया, जहां उन्हें तीनों सेनाओं की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मेलोनी ने बाद में राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती पवार ने हवाई अड्डे पर इतालवी प्रधानमंत्री की अगवानी की। इटली की प्रधानमंत्री के साथ उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी तथा एक उच्चस्तरीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। मेलोनी आज शाम शुरू होने वाले आठवें रायसीना डायलॉग में मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता भी होंगी।

## विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा भारत

**नई दिल्ली।** भारत शुक्रवार को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा जिसमें क्षेत्र में चीन के बढ़ते आक्रामक रवैए की पृष्ठभूमि में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समग्र हालात पर चर्चा की जा सकती है। बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री एस जयशंकर करेंगे जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जापान के विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वांग की सहभागिता रहेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा, क्वाड के विदेश मंत्रियों की अगली बैठक की मेजबानी भारत तीन मार्च को नई दिल्ली में करेगा। उसने कहा कि इस बैठक में मंत्रियों के लिए सितंबर 2022 में न्यूयॉर्क में उनकी पिछली बैठक में हुई बातचीत को जारी रखने का अवसर मिलेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा, वे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम पर और आपसी हित के क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे जो एक खुले, स्वतंत्र और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के उनके दृष्टिकोण पर आधारित होगा।

# मुझे लगा था राहुल गांधी भारत जोड़ने को कराची या लाहौर जा सकते हैं : राजनाथ

**नंदनगढ़ (कर्नाटक)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर सशस्त्र बलों की वीरता पर सवाल उठाने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया और कहा कि इसकी भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य अपने नेता राहुल गांधी को लॉन्च करना था। सिंह ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने सोचा था कि गांधी इस यात्रा के तहत कराची या लाहौर भी जा सकते हैं। भाजपा की विजय संकल्प यात्रा के दूसरे चरण की यहां शुरुआत करते हुए उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कर्नाटक में मई में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में पार्टी को दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाने के लिए समर्थन दें।

सिंह ने कहा, क्या आप युवा कांग्रेस नेता के बारे में जानते हैं, उन्हें अभी लॉन्च किया जा रहा है और इसके लिए उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा की थी। वर्ष 1947 में बंटवारे के दौरान भारत का विभाजन हो गया था, इसलिए मैंने सोचा था कि भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे राहुल गांधी, कराची या लाहौर जा सकते हैं, लेकिन वह वहां नहीं गए। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पूछा कि जब पूरा भारत एकजुट है तो गांधी ने किसे जोड़ने की कोशिश की। लोगों को मूर्ख बनाकर राजनीति अधिक समय तक नहीं की जा सकती, जो लोग विश्वास के साथ राजनीति करते हैं और जनता से आंखें मिलाकर बात करते हैं, वही सफल हो सकते हैं और जो लोग भाजपा में हैं, वही ऐसा कर सकते हैं।

कांग्रेस पर मोदी तेरी कब्र खुदेगी वाला नारा लगाने का आरोप लगाया। वे (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी की कब्र नहीं खोद रहे हैं, बल्कि इस तरह के नारों से अपनी कब्र खोद रहे हैं। हमारे कांग्रेसी मित्र भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ जितना कीचड़ उछालेंगे, हमारा कमल उतना ही खिलेगा। कांग्रेस पर रक्षा बलों के साहस और वीरता पर सवाल उठाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने पूछा, इन्हें क्या हो गया?....रक्षा मंत्री के रूप में मैं कहना चाहता हूं कि हमें अपने सैन्य बलों पर गर्व है। सिंह दिन में यहां संगोली रायण्णा के स्मारक पर गए और उन्हें श्रद्धांजलि दी, जिसके बाद उन्होंने यात्रा की शुरुआत की। रक्षा मंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि वे राज्य में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प लें और इस बार दो-तिहाई बहुमत से नया कर्नाटक बनाने का संकल्प लें। विश्व स्तर पर भारत के बढ़ते कद और केंद्र में मौजूदा भाजपा सरकार के तहत एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने पर भी प्रकाश डाला।

## अब अदाकारी के साथ दिमाग का भी कमाल दिखाएंगी

# प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड की देसी गर्ल ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं और इसमें दो राय नहीं है कि अभिनेत्री की फैन फॉलोइंग पूरी दुनिया में फैली है। भारत में नाम कमाने के बाद अभिनेत्री इस समय हॉलीवुड पर राज कर रही हैं। प्रियंका के पास इस समय बहुत सारे प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें से एक जहां बहुप्रतीक्षित ओटीटी प्रोजेक्ट सिटाडेल है, वहीं अभिनेत्री के पास एक और रोमांचक प्रोजेक्ट है और अंदाजा लगाइए क्या? प्रियंका अपने बैनर पर्पल पेबल पिक्चर्स के तहत एक वेब सीरीज का निर्माण भी करने जा रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने सिटाडेल के अपने फर्स्ट लुक से इंटरनेट पर धमाल मचा दिया और जहां प्रशंसक इस सीरीज के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं खबरें आ रही हैं कि अभिनेत्री ने अपनी अगली डिजिटल सीरीज साइन कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा की यह वेब सीरीज तान्या सेल्वारत्नम के संस्मरण अज्यूम नथिंग पर आधारित होगी। प्रियंका चोपड़ा से इसमें मुख्य भूमिका निभाने को लेकर बातचीत चल रही है। प्रियंका इस सीरीज में न केवल अभिनय करेंगी बल्कि अपने बैनर पर्पल पेबल पिक्चर्स के तहत इसका निर्माण भी करेंगी। अपनी बुक में सेल्वारत्नम ने न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल एरिक श्नाइडरमैन, जो महिलाओं के अधिकारों के वकील के साथ डेटिंग करते समय आई दिक्कतों के बारे में बताया गया है। इसी के कारण एरिक श्नाइडरमैन का करियर खत्म होना शुरू हुआ था। हालांकि, अभी इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है और न ही सीरीज की स्टार कास्ट को लेकर कुछ ज्यादा अपडेट मिला है। फिलहाल, प्रियंका अपनी रोमांटिक एंटरटेनर लव अगेन की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। सैम ह्यूगन और सेलीन डायोन स्टारर लव अगेन, 12 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके साथ ही प्रियंका की एक्शन वेब सीरीज सिटाडेल भी इस साल रिलीज होने के लिए तैयार है। जल्द ही प्रियंका अपनी अगली बॉलीवुड फिल्म जी ले जरा की शूटिंग शुरू करेंगी। फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित, इस रोड ट्रिप ड्रामा में कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

## पलट-पलटकर दिखाया मलाइका ने अपना फिगर

अभिनेता-गायक फरहान अख्तर ने मंगलवार को घोषणा की कि उनका बैंड फरहान लाइव अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण ऑस्ट्रेलिया में अपना प्रदर्शन नहीं कर पाएगा। फरहान अपने बैंड के साथ सिडनी और मेलबर्न में प्रस्तुति देने वाले थे लेकिन अब वह नहीं जाएंगे। अब सेल्फी की रिलीज के बाद खिलाड़ी कुमार अपने अलगे प्रोजेक्ट की तैयारी करने में जुट गये हैं। अपने आगामी द एंटरटेनर्स टूर के लिए अमेरिका को रवाना कर दिया। अभिनेता अकेले नहीं है। उनके साथ मौनी रॉय, दिशा पटानी और सोनम बजवा भी हैं।

# फ्लॉप फिल्मों को लेकर सारा का खुलासा

**सारा अली खान ने कहा, एक एक्ट्रेस के रूप में, हम हर दिन बहुत कुछ सीखते हैं और हमारी यात्रा में भी यह शामिल है।**

बॉलीवुड का जानी-मानी अदाकारा सारा अली खान ने साल 2018 में फिल्म निर्देशक अभिषेक कपूर की फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड में धमाकेदार डेब्यू किया था। इसके बाद सारा ने एक के बाद एक हिट फिल्में की। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म सिंबा में एक्ट्रेस ने अपनी दमदार एक्टिंग से खूब सुर्खियां बटोरी थीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। इसके बाद सारा फिल्म लव आजकल-2, कुली नंबर 1 और अतरंगी रे में नजर आई थीं। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थी। हाल ही में, सारा ने एक कॉन्क्लेव के दौरान फ्लॉप्स देने के बारे में बात की है। 27 साल की अभिनेत्री सारा अली खान ने कहा, एक एक्ट्रेस के रूप में, हम हर दिन बहुत कुछ सीखते हैं और हमारी यात्रा में भी यही शामिल है। मैं हमेशा कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करता हूं, लेकिन मुझे यह भी लगता है कि मैंने कुछ गलतियां की हैं। मैंने ऐसी फिल्में की हैं, जिन्हें दर्शकों ने पसंद नहीं किया है, लेकिन फिर भी यह मेरी गलती करने की उम्र है। साथ ही सारा अली खान ने कहा, मुझे लगता है कि हर बार उठने के लिए नीचे गिरना महत्वपूर्ण है और मेरे अपने ही सेटबैक्स थे। इसके अलावा मैंने सीखा है कि गलतियां करना मेरी जर्नी का हिस्सा है। सारा अली खान का नाम इंडियन क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ जुड़ता रहा है, जिसे लेकर उनके फैंस ने काफी चर्चा की है। दोनों ही सेलेब्रिटीज कई बार एक साथ स्पॉट किए गए हैं। हालांकि, दोनों ने ही अपने अफेयर को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा आखिरी बार आनंद एल राय की अतरंगी रे में नजर आई थीं, जिसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज किया गया था। इस फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। उनके पास गैसलाइट, ए वतन मेरे वतन और मेट्रो इन दिनों सहित कई प्रोजेक्ट्स हैं। कुछ सप्ताह पहले सारा ने फिल्मकार होमी अदजानिया की फिल्म 'मर्डर मुबारक' के लिए तैयारी शुरू कर दी थी।

## रजनीकांत की 170वीं फिल्म का एलान

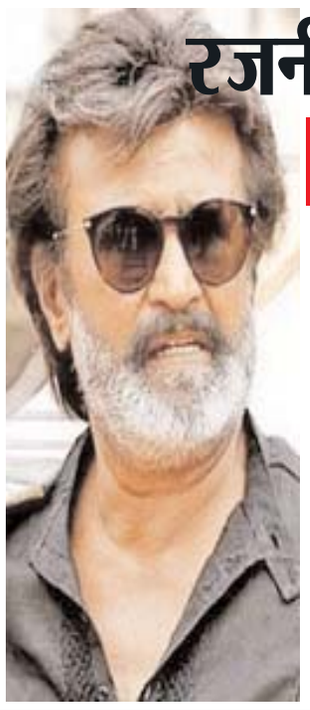

रजनीकांत के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। एक्टर की 170वीं फिल्म का एलान हो गया है। लाइका प्रोडक्शंस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इस बात का एलान किया है। फिल्म का निर्देशन जय भीम फेम निर्देशक टीजे ज्ञानवेल करेंगे। बता दें कि रजनीकांत फिलहाल अपनी आगामी फिल्म जेलर में व्यस्त है। यह उनकी 169वीं फिल्म है। रजनीकांत की नई फिल्म का एलान दरअसल, लाइका प्रोडक्शंस के चेयरमैन सुभास्करन के जन्मदिन के खास मौके पर किया गया है। इस फिल्म के म्यूजिक की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर के कंधों पर होगी। फिलहाल इस फिल्म के शीर्षक को लेकर कोई जानकारी नहीं है। कहा जा रहा है कि 2024 तक फिल्म दस्तक देगी।

> रजनीकांत की नई फिल्म का एलान दरअसल, सुभास्करन के जन्मदिन के खास मौके पर किया गया है।

लाइका प्रोडक्शंस के ट्विटर अकाउंट से साझा किए गए पोस्ट में लिखा है, हम सुपरस्टार रजनीकांत के साथ अपनी अगली फिल्म का एलान करते हुए बेहद खुशी महसूस कर रहे हैं। हमें यकीन है कि इस फिल्म को फैंस का भरपूर प्यार मिलेगा। सुपरस्टार की अलगी फिल्म की घोषणा के बाद से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है। रजनीकांत की जेलर की बात करें तो नेल्सन दिलीपकुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म इस साल रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की आधिकांश शूटिंग जेल के अंदर हुई है। कन्नड़ सुपरस्टार शिवा राजकुमार भी इस फिल्म के जरिए तमिल डेब्यू कर रहे हैं। वहीं, मोहनलाल इसमें कैमियो करते नजर आएंगे। इसके अलावा योगी बाबू, त्रिशा कृष्णन, तमन्ना भाटिया, जैकी श्रॉफ और सुनील भी अहम रोल में नजर आएंगे।

# राजकुमार-भूमि साथ करेंगे काम

फिल्म बधाई दो में राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की जोड़ी दमदार साबित हुई।प्रतिभाशाली अभिनेताओं ने पहली बार फिल्म में एक साथ काम किया और यह दर्शकों के लिए एक ट्रीट थी। अब, वे फिर से स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं और उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर कुछ प्रमुख संकेत दिए हैं। राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की पिक्चर-परफेक्ट इंस्टाग्राम फीड ने एक मोनोक्रोमैटिक मोड़ ले लिया है। हर किसी के आश्चर्य के लिए, उनके संबंधित फ़ीड्स हमें काले और सफेद युग में वापस भेज रहे हैं। हालांकि, उनके कैप्शन एक नए प्रोजेक्ट की ओर इशारा कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर एक्टर राजकुमार राव पोस्ट शेयर की है। कैप्शन के साथ एक ब्लैक एंड वाइट तस्वीर साझा की, विभाजन की अनकही कहानी को उजागर करती तस्वीर। भूमि ने भी कुछ ऐसा ही पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, एक विभाजन की कहानी जिसने कई लोगों को अपने ही देश में अजनबी बना दिया। इंस्टाग्राम की तस्वीरों से ऐसा लगता है कि आने वाली फिल्म की कहानी विभाजन के समय की हैं और ऐसा लग रहा है कि वे किसी नए प्रोजेक्ट की ओर इशारा कर रही हैं। इन ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है और हर कोई यह जानने के लिए उत्सुक है कि यह किस बारे में है।

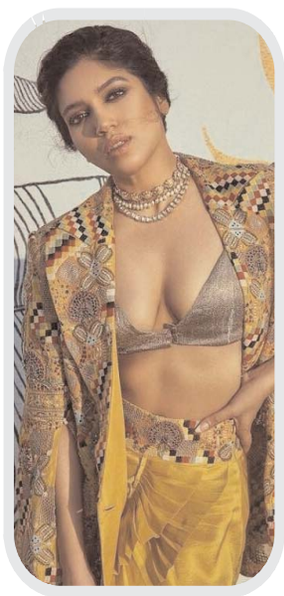

# शाहिद कपूर

## की फर्जी और मनोज बाजपेयी की द फैमिली मैन के बीच क्रॉसओवर?

शाहिद कपूर वर्तमान में अपने पहले ओटीटी शो फर्जी की सफलता का आनंद ले रहे हैं, जिसमें वह एक ऐसे कलाकार की भूमिका निभाते हैं, जो नकली नोट छापने का फैसला करता है, जिससे वह अपराध की दुनिया में फंस जाता है। एक मनोरंजन पोर्टल के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, हैदर अभिनेता ने शो के दूसरे सीज़न फ़र्ज़ी के बारे में बात की और मिलियन-डॉलर के सवाल को भी संबोधित किया कि क्या द फैमिली मैन और फर्जी के बीच क्रॉस-ओवर होगा? फ़र्ज़ी रिलीज़ होने के बाद से ही फैंस कयास लगा रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर का कहना है कि वह अपनी पहली वेब सीरीज़ फर्ज़ी' की कामयाबी से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि मेरे द्वारा निभाया गया किरदार सन्नी लोगों को पसंद आया। दरअसल, कपूर ने वेबसीरीज़ में सनी का किरदार निभाया है जो प्रतिभाशाली पेंटर होता है लेकिन वह जाली नोट छापने लगता है। अभिनेता ने कहा कि जब आप ऐसे शख्स का किरदार निभाते हैं जिसे समाज में नापसंद किया जाता है या ऐसा व्यक्ति जिसके साथ आप दोस्ती नहीं करना चाहेंगे तो यह हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। कपूर ने साक्षात्कार में कहा कि इसलिए आपके लिए यह अहम है कि आप उसे (किरदार को) उनसे (दर्शकों से) पसंद कराएं। 25 फरवरी को अपना 42वां जन्मदिन मनाने वाले कपूर ने कहा कि प्राइम वीडियो पर प्रसारित हुई आठ कड़ियों वाली 'फर्ज़ी' सीरीज़ की कामयाबी ने उन्हें 'गहरा संतोष प्रदान किया' है। इस सीरीज़ का निर्देशन 'द फैमली मैन' के निर्माता राज निदिमोरु और कृष्ण डीके ने किया है। फर्ज़ी' में विजय सेतुपति, के के मेनन, राशि खन्ना, अमोल पालेकर और भुवन अरोड़ा ने भी अभिनय किया है। कपूर ने कहा कि उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करने की थी कि लोग सनी के लिए सहानुभूति महसूस करें। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात से हैरत हुई कि सीरीज़ को सभी क्षेत्रों के लोगों ने पंसद किया। अभिनेता ने कहा, सीरीज़ के बारे में सबसे दिलचस्प बात यह है कि इसे मेरे चालक से लेकर मेरे एनआरआई (अप्रवासी) रिश्तेदारों तक ने खुद को कनेक्ट महसूस किया। कपूर के मुताबिक, हर सामग्री का अपना मूल दर्शक होता है और फिल्म या सीरीज़ की गुणवत्ता की वजह से कभी कभी दर्शकों की संख्या थोड़ी बढ़ जाती है।

# कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का हुआ ऐलान

अभिनेता कार्तिक आर्यन ने भूल भुलैया 3 की घोषणा की। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए कार्तिक ने खुलासा किया कि वह दूसरी बार रुह बाबा की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि फिल्म ने दिवाली 2024 रिलीज की तारीख तय कर दी है। वीडियो में आप एक बार फिर से रूह बाबा को हवेली के अंदर देखेंगे। बाबा रूह को रॉकिंग चेयर पर प्रेतों से बात करते हुए देखा जा सकता है। आपको बता दें कि साल 2022 में बॉलीवुड की कश्मीर फाइल के बाद भूल भुलैया 2 एकलौती ऐसी फिल्म थी जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई थी। कार्तिक आर्यन ने अब अपनी फिल्म भूल भुलैया 3 की घोषणा की है। रिलीज किए गये वीडियो में आप देख सकते हैं कि रुह बाबा कहते हैं कि मैं केवल आत्माओं से बात ही नहीं करता बल्कि आत्माएं मेरे अंदर आ भी जाती हैं। वह आगे कहते है आपको क्या लगा? कहानी खत्म हो गई? दरवाजे फिर से खुलने के लिए बंद होते हैं, फिर गाना बजता है अमी जे तोमर। टीज़र का अंत उनकी भयानक हंसी और भूल भुलैया के प्रतिष्ठित साउंडट्रैक के साथ होता है। शहजादा के बॉक्स ऑफिस पर अपना जादू चलाने में विफल रहने के तुरंत बाद कार्तिक ने भूल भुलैया 3 की घोषणा की। टी-सीरीज़ द्वारा निर्मित भूल भुलैया 3 अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित है और इसमें कार्तिक आर्यन हैं। यह पारिवारिक मनोरंजन भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित है और दिवाली 2024 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जनवरी 2023 में भूषण कुमार ने पिंकविला के साथ एक साक्षात्कार में भूल भुलैया 3 की खबर की पुष्टि की। उन्होंने कहा हम निश्चित रूप से कार्तिक आर्यन के साथ भूल भुलैया 3 बना रहे हैं। निर्माता ने वादा किया कि निर्माता भूल भुलैया 3 को बड़ा और अनोखा बनाने की योजना बना रहे हैं। यह भी पता चला है कि फिल्म 2024 की दूसरी छमाही में शुरू होगी और 2025 में रिलीज होने की संभावना है भूल भुलैया 2 के रिलीज़ होने के एक साल से भी कम समय के बाद भूल भुलैया 3 की घोषणा की गई है। फ्रेंचाइजी में कार्तिक की पहली फिल्म, अक्षय कुमार की जगह, भूल भुलैया 2 एक बड़ी हिट थी।

> इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए कार्तिक ने खुलासा किया कि वह दूसरी बार रुह बाबा की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि फिल्म ने दिवाली 2024 रिलीज की तारीख तय कर दी है।

# दिशा के रूप में विज्ञान के माध्यम से अनुसंधान के क्षेत्र

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

आज अनुसंधान की दिशा को स्थिरता खोजने की दिशा में देखना चाहिए जो समय की मांग है। अनुसंधान और नवाचार का मार्ग अपनाने वाले पेशेवरों के साथ चुनौती यह है कि वे गुणात्मक पहलुओं के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता से आगे कदम बढ़ाएँ जो स्वाभाविक रूप से मानवीय हैं।

चल रहे शोध के हालिया रुझानों में, वर्तमान चुनौतियां यह हैं कि उनमें से अधिकांश हितधारक अपेक्षाओं से अलग हैं और आज समाज की समस्याओं को हल करने में वास्तव में योगदान नहीं दे रहे हैं। अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए अनुसंधान के तीन चरणों से गुजरने की उम्मीद है। चरण 1 खोजपूर्ण है, 2 प्रोटोटाइप है और अंतिम चरण कार्यान्वयन का क्षेत्र स्तर है।

अनुसंधान में वर्तमान अंतर यह है कि यह हितधारक प्रतिक्रिया द्वारा संचालित नहीं है। अनुसंधान कई बार प्रोटोटाइप के स्तर 2 तक पहुंचने के लिए पाया गया है, हालांकि इन शोध निष्कर्षों का कार्यान्वयन योग्य विपणन योग्य उत्पाद में वास्तविक रूपांतरण गायब है। एक उपयुक्त रणनीति के रूप में, शुरुआत में शोधकर्ताओं को उचित विपणन योग्य समाधानों के लिए उचित प्रारंभ बिंदु के रूप में समस्या कथन की पहचान के आधार पर हितधारक अपेक्षाओं को समझने की आवश्यकता होती है।

आज किए गए शोध को तीन प्रकार के क्षेत्रों जैसे बुनियादी, निर्देशित और लागू के तहत वर्गीकृत किया जा सकता है। मूल अनुसंधान को अक्सर निर्देशित अनुसंधान के लिए इनपुट के रूप में किया जाता है, और अंत में अनुप्रयोग आधारित परिणामों की ओर अग्रसर होता है।

आने वाले समय में, हालांकि वाणिज्य और कला के क्षेत्र में रुचि बढ़ रही है, नवाचार और अनुसंधान का भविष्य मात्रात्मक निष्कर्षों के साथ वैज्ञानिक सोच में निहित है। बड़े पैमाने पर उत्पादन और अनुसंधान के कार्यान्वयन के लिए अनुप्रयोग आधारित समाधान खोजने के लिए बाजार तैयार है। विज्ञान को अध्ययन की एक धारा के रूप में लेने वाले और उन कार्यक्रमों से गुजरने वाले छात्र जिन्हें या तो विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और या गणित के तहत मोटे तौर पर एसटीईएम कार्यक्रमों के रूप में वर्गीकृत किया गया है, वे अनुसंधान के भविष्य के आयामों को धारण करेंगे।

# कोरोना की वजह से पढ़ाई छोड़कर मजदूरी कर रहे बच्चो को फिर से शाला में मुफ्त पढ़ाने का अभियान आरंभ किया जाएगा : हरिहरानंद बापू

जूनागढ ( भवनाथ ): कोरोना के दौरान कई गरीब परिवार के बच्चों ने शाला में मुफ्त की पढ़ाई भी छोड़ दि है और परिवार के लिये छोटे छोटे मजदूरी के काम कर रहे है।

ऐसे बच्चों को पुनः अभ्यास के साथ जोड़ने का विशेष अभियान चलाया जाएगा। अगर आपके आसपास में ऐसे कोई बच्चे है तो फोरन गुजरात में जूनागढ के भवनाथ में भारती आश्रम का संपर्क करे।

इन बच्चों को पढ़ना रहेना भोजन इत्यादि फ्री में सुविधा दी जायेगी ऐसा गुजरात में भारती आश्रम के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर श्री हरिहरानंद बापू ने अपने संदेश में कहा है।उन्होंने कहा की भारती आश्रम बहोत

जल्द विभिन्न विस्तृतिकरण की योजना आरंभ करेगी। (1) यात्रिकों की सुविधा के लिए जूनागढ के भवनाथ में ५० कमरे का भवन निर्माण किया जाएगा(२) १२ वी तक के बच्चों के लिया आर्ट्स और कॉमर्स स्कूल और हॉस्टेल है उसका आधुनिकीकरण किया जाएगा(३) भवनाथ और वांकिया में गौशाला सेवा को विस्तृत किया जाएगा ।(४) भजन के लिए एक ऑडिटोरियम बनाया जायेगा।

जिसमे गिरनार के यात्रिको को आश्रम में भूतकालमे आयोजित भजनों के वीडीओ कार्यक्रम दिनभर में विविध समय दिखाए जायेंगे।(५) यज्ञशाला का विस्तृतिकरणु होगा ताकि यात्रिक कभी भी पवित्र गिरनार भूमि में यज्ञ कर सके। विशेष जानकारी के लिए मो. नं. 9601299699 पे संपर्क करें ऐसा भारती आश्रम के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्य गादीपति महामंडलेश्वर श्री हरिहरानंद जी महाराज ने कहा।

# 5वां सर्व जाति शाही समुह लग्नत्सव' में 108 लड़कियों के विवाह के साक्षी बनेंगे पूर्व आईपीएस डीजी वंजारा

'विद्या विकास एजुकेशन ट्रस्ट' द्वारा विशाल व भव्य '5वां सर्व जाति शाही समुह लग्नत्सव' का आयोजन 19 मार्च 2023 को जगदीश्वर फार्म,मौनी इंटरनेशनल स्कूल के सामने,उत्रान, बड़ा वराछा, सूरत (गुजरात ) शाम 4 बजे से रात 9:30 बजे तक कार्यक्रम व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम चलेगा। जिसमें 108 लड़कियों का विवाह किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष मेहुलभाई मालविया है और समारोह अध्यक्ष पूर्व आईपीएस डीजी वंजारा है, ऐसी जानकारी संस्था से जुड़े हुए और समाजसेवक दिलीप पटेल ने दी है। कार्यक्रम 'विद्या विकास एजुकेशन ट्रस्ट' द्वारा दानदाताओं के सहयोग से आयोजित किया जाता है।

# दहेज लोभियों ने विवाहिता को आत्महत्या के लिए किया विवश

## ❍ काशीमीरा पुलिस ने सास ससुर सहित पांच लोगो को किया गिरफ्तार
## ❍ मुख्य आरोपी पति अभय मिश्रा अब भी नही चढा पुलिस के हत्थे

**संवावदाता मीरा-भायंदर।** नव विवाहिता अस्मिता मिश्र को आत्महत्या हेतु विवश पर मजबूर करने वाले ससुराल पक्ष के 5 लोगों को काशीमीरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन मुख्य आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर है। वह पुलिस को लगातार चकमा दे रहा है।समाजसेवी एवं मृतक के पिता डॉ अमर मिश्रा द्वारा काशीमीरा पुलिस थाने में दर्ज शिकायत दर्ज करायी थी जिसके अनुसार अस्मिता की शादी 12 नवंबर 21 को मीरारोड के रहने वाले अभय मिश्रा के साथ हुई थी। लेकिन गौना मई माह में हुआ था। डॉ अमर मिश्र ने तकरीबन 33 लाख नगद और गहने दिए थे। शुरू में अभय और अस्मिता में सब कुछ ठीक से चल रहा था लेकिन धीरे धीरे दोनों में पैसों को लेकर विवाद शुरू हो गया। अभय कोई काम नहीं करता था। दिन भर घर में ही रहता था।अस्मिता किसी कम्पनी में सर्विस करती थी। इसलिए घर का पूरा खर्च अस्मिता के ऊपर आ गया। बढ़ता खर्च और आय

कम दोनों के बीच के विवाद का कारण बनता गया। इसी दौरान अभय मायके से पैसा लाने के लिए अस्मिता पर दबाव बनाने लगा। विवाद को शांत करने के लिए डॉ अमर मिश्र कई बार पैसे दिए। ससुराल पक्ष अस्मिता पर दबाव डालकर फ्लैट के लिए रूपये जैसी मांग करते थे जिससे अस्मिता ने उनकी मांग को सिरे से खारिज कर दिया। इससे गुस्साए अभय ने अस्मिता से मारपीट की। इसके बाद अभय उसे आए दिन प्रताड़ित करने लगा था। इसके बाद 24 फरवरी को अस्मिता की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गयी।

**शुरू मे लीपा पोती में जुटी रही पुलिस**

पुलिस पर आरोप पीड़ित पक्ष ने लगाते हुए कहा कि वह मदद 3 दिन के बाद जब भारी जनाक्रोश और समाज के कई प्रबुद्ध वर्गो को दबाव बना तब जाकर पुलिस ने एफआरआई दर्ज किया। इसके बाद वकील,पत्रकार एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों द्वारा काशीमीरा पुलिस थाने पर मोर्चा भी निकाला गया। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी अभय मिश्र अभी फरार चल रहा है। अस्मिता मिश्रा आत्महत्या मामले में ससुर को 4 मार्च तक पुलिस हिरासत है। काशीमीरा पुलिस ने पांचों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया था जहां न्यायालय ने मृतका के ससुर को 4 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं बाकी सभी भी न्यायिक हिरासत में भेजे गये है। मामले की तफ्तीशकाशीमीरा पुलिस थाने के अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक विजय पवार ने कहा कि फरार अस्मिता का पति अभय मिश्रा जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होगा। आरोपियों की निशानदेही पर कुछ सोने के जेवरात बरामद किए गए हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 4 मार्च को होगी।

# चुनाव नतीजे जारी होने के बाद भड़की हिंसा, कई इलाकों में लगाया गया कर्फ्यू

मेघालय में चुनाव नतीजे जारी होने के बाद गुरुवार को हिंसा भड़क गई। कम से कम तीन विधानसभा क्षेत्रों में हिंसा हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया, हिंसा के बाद शुक्रवार को ईस्टर्न वेस्ट खासी हिल्स के मईरंग निर्वाचन क्षेत्र, शेल्ला और वेस्ट जयंतिया हिल्स के मोवकैव में धारा 144 लागू की गई है। अधिकारियों ने बताया, अगले आदेश तक शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक रात के कर्फ्यू की घोषणा की गई है।

इस दौरान मवासावा, सांगशोंग, उमविचसुप और मैरांग मिशन में सभी सरकारी कार्यालयों के पास पांच से ज्यादा इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। कई वाहनों में लगा दी गई थी आग जानकारी के मुताबिक, मईरंग विधानसभा क्षेत्र के चुनाव परिणामों पर कांग्रेस समर्थकों ने असंतोष जताया। उन्होंने डीसी कार्यालय का घेराव किया, जिसके बाद हिंसा भड़ गई। डीसी कार्यालय परिसर में खड़े कई वाहनों में आग लगा दी गई।

अधिकारियों ने बताया, कल रात हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए।

इस दौरान घटना स्थल से रहस्यमय स्थिति में एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ।

# विधिमंडल' को 'चोरमंडल' कहकर फंसे संजय राउत, स्पीकर ने दिए जांच के आदेश

महाराष्ट्र में बुधवार को विधानसभा सत्र के दौरान जमकर हंगामा हुआ। भारतीय जनता पार्टी ने शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के बयान का मुद्दा उठाया। आरोप है कि राउत ने महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्यों को 'चोर' कहा था। इस मामले को विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने भी गंभीरता से लिया है। उन्होंने राउत के खिलाफ जांच के आदेश दे दिए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने दो दिनों के अंदर जांच पूरी करके रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बता दें कि कोल्हापुर में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कथित तौर पर "विधिमंडल" (विधायिका) को "चोरमंडल" कहा था। भाजपा सदस्यों ने क्या कहा? भारतीय जनता पार्टी के नेता आशीष शेलार ने संजय राउत के कथित बयान का मुद्दा विधानसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि विधायकों को चोर कहा जा रहा है और यह राज्य का अपमान है। एक

अन्य भाजपा विधायक अतुल भातखलकर ने भी इस मुद्दे पर राउत पर हमला किया। कहा कि उन्होंने राज्यसभा सदस्य राउत के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है और अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से इसे स्वीकार करने का आग्रह किया है। राउत के बयान के खिलाफ केवल भाजपा ही नहीं, बल्कि उनके सहयोगी दलों के सदस्य भी खड़े हो गए हैं। विपक्ष के नेता अजीत पवार और कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता बालासाहेब थोराट ने भी कहा कि इस तरह की टिप्पणी करना अस्वीकार्य है। पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) और कांग्रेस, शिवसेना (UBT) की सहयोगी हैं। थोराट ने कहा, 'वास्तव में क्या कहा गया है, इसकी जांच करने की आवश्यकता है। साथ ही, सभी को सावधान रहना चाहिए कि सदन में क्या कहा जाता है। हमें भी देशद्रोही कहा गया है।'

# महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने राकांपा के नेता नवाब मलिक को 'राष्ट्र-विरोधी' कहा

**मुंबई :** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जेल में बंद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता तथा राज्य के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को बृहस्पतिवार को ''राष्ट्र-विरोधी'' कहा और विपक्ष के विरूद्ध पूर्व में की गई टिप्पणी वापस लेने से मना कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी राष्ट्र-विरोधी व्यक्ति को राष्ट्र-विरोधी कहना अपराध है, तो वह 50 बार ऐसा करेंगे। मलिक दाउद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े धनशोधन मामले में पिछले साल गिरफ्तारी के बाद से जेल में बंद हैं। शिंदे ने राज्य की विधानसभा परिषद में यह आरोप लगाया। इससे एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने विपक्षी पार्षदों को कथित तौर पर ''राष्ट्र-विरोधी'' कहने के लिए शिंदे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस दिया था। राज्य विधानसभा के बजट सत्र की पूर्व संध्या पर, विपक्ष ने मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित परंपरागत चाय पार्टी का बहिष्कार किया था। बाद में, विपक्ष के बहिष्कार का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा कि इसकी वजह से वह ''राष्ट्र-विरोधियों'' के साथ

चाय पीने से बच गए। उन्होंने कहा था कि यह अच्छा है कि विपक्ष चाय पार्टी में नहीं आया क्योंकि उनमें से कुछ के आतंकवादी दाऊद इब्राहिम के साथ संबंध हैं। शिंदे की इस टिप्पणी से नाराज विपक्ष ने उनके खिलाफ परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे के कार्यालय में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया था। शिंदे ने इस मुद्दे पर उच्च सदन में कहा, ''प्राप्त जानकारी से संकेत मिलता है कि राकांपा नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने अवैध रूप से जमीन खरीदी थी, जो कथित तौर पर 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के मुख्य आरोपी दाऊद इब्राहिम से जुड़ी थी।''

# आईपीएस रश्मि शुक्ला बनी डीजी एसएसबी

## शुक्ला पर फोन टैपिंग के लग चुके हैं आरोप... कई नेताओं ने लगाया था फोन टैपिंग का आरोप

**मुंबईः** केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र कैडर की चर्चित आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) का डायरेक्टर जनरल नियुक्त किया है। वे सीआरपीएफ में एडिशनल डायरेक्टर जनरल की जिम्मेदारी

निभा रही थी। 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र खुफिया विभाग की पूर्व प्रमुख रह चुकी हैं। वे इससे पहले फोन टैपिंग से जुड़े एक मामले में सुर्खियों में भी आईं थीं। जानकारी के अनुसार पिछले महीने ही केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने रश्मि शुक्ला के डायरेक्टर जनरल रैंक पर प्रमोशन को हरी झंडी दी थी। इसके बाद गुरुवार को उनकी पोस्टिंग एसएसबी में की गई है। वे अनीश दयाल सिंह की जगह लेंगी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को अपने एक आदेश में ये जानकारी दी है। 1988 बैच और महाराष्ट्र कैडर की आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला एक तरफ फोन टैपिंग के आरोपों से घिरी रहीं हैं, तो वहीं उन्हें महाराष्ट्र में महिलाओं की सुरक्षा और बेहतरी के प्रति अपने समर्पण के लिए भी जाना जाता है। रश्मि शुक्ला को कई बड़े सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है।

**इन नेताओं ने लगाया था फोन टैपिंग का आरोप**

बता दें कि रश्मि शुक्ला पर आरोप लगा था कि उन्होंने शिवसेना नेता संजय राउत, एनसीपी नेता एकनाथ खडसे सहित कुछ अन्य नेताओं का फोन टैप किया था। इस सिलसिले में कोलाबा पुलिस स्टेशन में एक शिकायत भी दर्ज की गई थी। हालांकि एकनाथ शिंदे सरकार ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग को खारिज कर दिया था।

# विरार-अलीबाग कॉरिडोर जल्द, मई तक पूरा होगा भूमि अधिग्रहण

**मुंबई :** एमएमआर में अवागमन की समस्या से निजात दिलाने वाले विरार-अलीबाग बहुउद्देशीय राजमार्ग परियोजना का काम 2024 में शुरू करने का फैसला महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम या है। उल्लेखनीय है कि अलीबाग से विरार तक 127 किमी मल्टी-मॉडल कॉरिडोर की योजना एक दशक ही बनी थी। पहले यह प्रोजेक्ट एमएमआरडीए करने वाला था, परन्तु अब इसे एमएसआरडीसी के हवाले कर दिया गया है। इस कॉरिडोर के

लिए भूमि अधिग्रहण का काम तेज कर दिया गया है। बताया गया कि एमएसआरडीसी मई तक भूमि अधिग्रहण पूरा करने की योजना बना रहा है। भूमि अधिग्रहण के लिए आवश्यक धनराशि हुडको से ऋण के रूप में लेने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। मई के बाद इस रूट के काम के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

एमएसआरडीसी के पास यह प्रोजेक्ट आने के बाद विस्तृत योजना बनाकर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई। 128 किमी लंबी और 16 लेन वाली इस परियोजना के लिए 1,300 हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण करना है। मल्टी मॉडल कॉरिडोर के लिए तीन जिलों रायगढ़, ठाणे और पालघर में भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा, जिसमें से पालघर में 61.29 हेक्टेयर, ठाणे में 520.92 हेक्टेयर, जबकि रायगढ़ में लगभग 765.01 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण होगा।

**भूमि अधिग्रहण की लागत 22 हजार करोड़ पहुंची**

उल्लेखनीय है कि इस बहुउद्देश्यीय परियोजना के भूमि अधिग्रहण की लागत 22 हजार करोड़ पहुंच गई है, जो परियोजना की कुल लागत से चार गुना अधिक है। बताया गया कि 2012 में जमीन अधिग्रहण के लिए 2,215 करोड़ रुपए देने थे, जबकि उस समय कुल परियोजना लागत 12,554 करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर 55,564 करोड़ रुपए हो गई है। एमएसआरडीसी के अनुसार, अकेले परियोजना की भूमि अधिग्रहण लागत 22,000 करोड़ रुपए पहुंच गई है। एमएसआरडीसी को यह फंड जुटाने में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल,
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।